राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 12 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–137 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान में एक वोट से बिगड़ा भाजपा का खेल: राज्यसभा चुनाव में हरियाणा से अजय माकन हारे

नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव में 4 राज्यों की 16 सीटों पर वोटिंग के बाद जयपुर और बेंगलुरु में काउंटिंग हो रही थी, वहीं हरियाणा और महाराष्ट्र में वोट खारिज कराने के लिए राजनीतिक दलों की गाड़ियां दिल्ली के चुनाव आयोग दफ्तर का चक्कर काट रही थीं। दोपहर 4 बजे शुरू हुआ हाइवोल्टेज ड्रामा करीब 9 घंटे चला।

काउंटिंग के बाद हरियाणा से गांधी परिवार के करीबी नेता और कांग्रेस कैंडिडेट अजय माकन निर्दलीय उम्मीदवार कार्तिकेय शर्मा से चुनाव हार गए। हालांकि, राजस्थान में कांग्रेस की बाड़ेबंदी सफल रही और पार्टी के तीनों कैंडिडेट चुनाव जीत गए। अगर, एक वोट भी पार्टी के तीसरे कैंडिडेट प्रमोद तिवारी को कम मिलता, तो भाजपा यहां जीत सकती थी।

राज्यसभा चुनाव का बिगुल बजते ही कांग्रेस ने अपने विधायकों को जुटाना शुरू कर दिया था। उदयपुर में जहां पार्टी का चिंतन शिविर हुआ था, वहीं सभी विधायकों को ठहराया गया। इधर, बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों और निर्दलीय विधायकों से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुद मिलते रहे।

कांग्रेस ने 4 सीटों में से 3 पर कैंडिडेट उतारे थे। तीन सीट जीतने के लिए 123 वोटों की जरूरत थी। वोटिंग के बाद कांग्रेस को 126 वोट मिले हैं। चुनाव में सुरजेवाला को 43, वासनिक को 42 और तिवारी को 41 और घनश्याम तिवाड़ी को 43 वोट मिले। निर्दलीय सुभाष चंद्रा को 30 वोट मिले। वे चुनाव हार गए।

इधर, मतदान के दौरान कांग्रेस के पक्ष में क्रॉस वोटिंग करने की वजह से धौलपुर से विधायक शोभारानी कुशवाहा को भाजपा ने 6 सालों के लिए सस्पेंड कर दिया है। वहीं जीत के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- 2023 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ऐसे ही जीतेगी।

हरियाणा में भाजपा के उम्मीदवार कृष्ण लाल पंवार का जीतना तो तय था, देर रात ढाई बजे एक वोट के रिजेक्ट होने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार कार्तिकेय शर्मा को भी विजयी घोषित कर दिया गया। वोटिंग से लेकर रिजल्ट तक पूरा दिन हाईवोल्टेज पॉलिटिकल ड्रामा चलता रहा।

कांग्रेस के आदमपुर विधायक कुलदीप बिश्नोई जब मतदान कर बाहर आए तो कांग्रेसियों के चेहरों पर चिंता साफ झलकी। हालांकि, उन्होंने पार्टी के एजेंट विवेक बंसल को दिखाकर ही अपना वोट डाला। सूत्रों की मानें तो उन्होंने अजय माकन को वोट देने की बजाय क्रॉस वोट किया है।

उन्हें वोटिंग से पहले राहुल गांधी के साथ शाम को मीटिंग का बुलावा भी आया, लेकिन दोपहर होने तक मीटिंग रद्द हो गई। कांग्रेस को विश्वास था कि अगर 31 की बजाए 30 वोट भी मिले तो अजय माकन आसानी से चुनाव जीत जाएंगे। कांग्रेस के दो वोटों के कारण एक बार पेंच अटक गया था।

काउंटिंग के बाद हरियाणा से गांधी परिवार के करीबी नेता और कांग्रेस कैंडिडेट अजय माकन निर्दलीय उम्मीदवार कार्तिकेय शर्मा से चुनाव हार गए। हालांकि, राजस्थान में कांग्रेस की बाड़ेबंदी सफल रही और पार्टी के तीनों कैंडिडेट चुनाव जीत गए। अगर, एक वोट भी पार्टी के तीसरे कैंडिडेट प्रमोद तिवारी को कम मिलता, तो भाजपा यहां जीत सकती थी।

कर्नाटक: कांग्रेस-जेडीएस की लड़ाई में भाजपा के हिस्से में आई तीसरी सीट

कर्नाटक में संख्या के हिसाब से भाजपा के खाते में 2 सीटें ही आ रही थीं, लेकिन 4 सीटों पर हो रहे चुनाव में कांग्रेस ने 2 और जेडीएस ने 1 कैंडिडेट उतार दिए। चुनाव परिणाम में भाजपा के 3 सदस्यों को जीत मिल गई, जबकि कांग्रेस के जयराम रमेश भी उच्च सदन में पहुंचने में कामयाब रहे।

महाराष्ट्र में काउंटिंग के साथ ही शिवसेना को बड़ा झटका लगा। पार्टी के दूसरे कैंडिडेट संजय पवार भाजपा के धनंजय महाडिक से हार गए। चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा के 3, शिवसेना, NCP और कांग्रेस से एक-एक सांसद बने हैं। आयोग ने शिवसेना के एक विधायक का वोट रद्द कर दिया था। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार के 'पावर' को ध्वस्त करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सूबे की सियासत के 'जादूगर' साबित हुए हैं। उनकी सधी हुई रणनीति की वजह से महाविकास आघाडी (मविआ) सरकार के कुल 10 वोट फूटे जिसकी वजह से भाजपा की तरफ से राज्यसभा चुनाव में खड़े किए गए तीसरे उम्मीदवार धनंजय महाडिक की विजय हुई है।

डेटिंग ऐप पर दोस्ती के बाद युवती को फाइव स्टार होटल में बुलाया, फिर नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर लूटी आबरू

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के द्वारका के एक फाइव स्टोर होटल में एक युवती से दुष्कर्म की वारदात सामने आई है। आरोपी ने टिंडर ऐप पर युवती से दोस्ती की और फिर होटल में मिलने के लिए बुलाया, जहां उसने वारदात को अंजाम दिया।

पीड़िता ने तीन जून को पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 28 वर्षीय पीड़िता पश्चिमी दिल्ली में रहती है और एक शोरूम में काम करती है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि उसका टिंडर ऐप पर अकाउंट है। गत दिनों हैदराबाद के बंजारा हिल्स में रहने वाले एक युवक से उसकी टिंडर ऐप पर दोस्ती हुई। दोनों एक-दूसरे से मोबाइल पर बात करने लगे।

कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिला दिया- पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने उससे मिलने के लिए कहा और 30 मई को द्वारका स्थित एक फाइव स्टोर होटल में बुलाया। युवती होटल पहुंची तो आरोपी उसे एक कमरे में लेकर गया। कमरे में आरोपी ने पीड़िता को कोल्ड ड्रिंक दी, जिसमें नशीला पदार्थ मिला हुआ था। उसे पीने के बाद पीड़िता बेसुध हो गई। आरोपी ने पीड़िता से दुष्कर्म किया और फरार हो गया।

डेटिंग ऐप के इस्तेमाल में ये बातें ध्यान रखें

डेटिंग ऐप पर फेसबुक, इंस्टाग्राम से अलग तस्वीर का इस्तेमाल करें। सभी सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर एक जैसी तस्वीर का इस्तेमाल करने से आपको ऑनलाइन खोजना आसान हो जाता है।

संदिग्ध लोगों से दोस्ती करने से बचें। यदि कोई प्रोफाइल संदिग्ध लग रही है, तो उसे न तो फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजें और न ही स्वीकार करें। इसके लिए आपको दोस्ती से पहले प्रोफाइल की जांच करनी चाहिए।

जामा मस्जिद के बाद अब रांची में हिंसा के दौरान जख्मी हुए दो लोगों की मौत

नई दिल्ली। पैगंबर मोहम्मद आपत्तिजनक टिप्पणी विवाद को लेकर पूरे देशभर में सांप्रदायिक हिंसक प्रदर्शन जारी है। दिल्ली के जामा मस्जिद के बाहर हिंसा प्रदर्शन के बाद अब झारखंड के रांची में हुए हिंसक प्रदर्शन में 2 लोगों की मौत हो गई है। बताया गया है कि दोनों प्रदर्शनकारी हैं, जिनकी गोली लगने से मौत हुई। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया, जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में इन 2 प्रदर्शनकारियों की मौत हुई है। गोली लगने से जिनकी मौत हुई है, उनमें एक का नाम मोहम्मद शाहिद है। वहीं इस हिंसा में घायल रांची के स्स्क भी अस्पताल में भर्ती हैं। बताया गया है कि 8 घायल उपद्रवियों को भी

अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, रांची में हिंसा की घटना के एक दिन बाद प्रशासन ने लोगों से घर के बाहर नहीं निकलने के लिए कहा है. प्रशासन ने ऐलान किया है कि जो लोग अपने घर से निकलेंगे, उन्हें हिरासत में ले लिया जाएगा। गौरतलब है कि पैगंबर मोहम्मद को लेकर नूपुर शर्मा की आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद पूरे देश भर में मुस्लिम लोगों ने हिंसा प्रदर्शन की पुलिस पर पथराव भी किया। रांची के कई इलाकों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुलूस निकालकर नूपुर शर्मा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रांची में विरोध प्रदर्शन उग्र होने के बाद पुलिस ने भी जमकर मोर्चा संभाला और लाठीचार्ज किया बहरहाल पुलिस ने भीड़ पर काबू पा लिया।

भारत विकसित कर रहा 300 किमी तक अचूक मारक क्षमता वाली मिसाइल, दुश्मनों के रडार भी नहीं करेंगे काम

नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में भारत एक बड़ी कामयाबी की तरफ बढ़ने जा रहा है। दरअसल, डीआरडीओ ने जानकारी दी है कि वह अस्त्र मिसाइल के दूसरे और तीसरे संस्करण को विकसित करने जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार डीआरडीओ के वैज्ञानिक हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल अस्त्र मिसाइल MK-1 और MK-2 को विकसित करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। इसकी ताकत जानकर आप हैरान रह जाएंगे। दुश्मनों के छक्के छुड़ाने के लिए ये एक तरह से ब्रह्मास्त्र माने जा रहे हैं।

जानें दोनों मिसाइलों की ताकत

ये मिसाइल बेयॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल हैं। यानी कि जहां पायलट की नजर नहीं जाती वहां पर भी ये दुश्मनों के छक्के छुड़ाने में सक्षम हैं। सबसे बड़ी बात इनके ऊपर शत्रु देश के रडार भी काम नहीं करेंगे। यानी ये रडार को भी चकमा देने में भी माहिर है। सबसे बड़ी बात MK-1 मिसाइल 160 किमी की दूरी पर लक्ष्य को भेदने में सक्षम है तो वहीं रूद्र-2 मिसाइल लगभग 300 किमी तक अचूक निशाना लगा सकती है। सबसे बड़ी ताकत जो इस मिसाइल की है वह यह कि ये अपने फाइटर जेट को स्टैंड ऑफ रेंज प्रदान करते हैं। स्टैंड ऑफ रेंज का मतलब होता है कि दुश्मन की तरफ मिसाइल फायर करके खुद उसके हमले से बचने का सही समय मिल जाए।

जानें कब होगी दोनों मिसाइल की लॉन्चिंग

बात करें अब इसकी लॉन्चिंग की तो अस्त्र MK-2 मिसाइल की लॉन्चिंग 2023 में होगी वहीं 2024 में Mk-3 की लॉन्चिंग होगी। अभी तक इस कैटेगरी की स्वदेशी मिसाइल मौजूद नहीं थी। बता दें कि इससे पहले रक्षा मंत्रालय ने 31 मई को भारतीय वायु सेना और भारतीय नौसेना को एस्ट्रा एमके -1 मिसाइलों और संबंधित उपकरणों से लैस करने के लिए भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ 2,971 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे।

सबसे दूर संभव सीमा पर लक्ष्यों का पता लगाने में महत्वपूर्ण

सेवानिवृत्त एयर मार्शल अनिल चोपड़ा के अनुसार वायु सेना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत के लिए एस्ट्रा एमके -2 और एमके -3 जैसी मिसाइलों का विकास करना महत्वपूर्ण है। भविष्य में सबसे दूर संभव सीमा पर लक्ष्यों का पता लगाने और उन पर हमला करने के लिए ये दो मिसाइलें मील का पत्थर साबित होंगी। ये रडार की डिटेक्शन रेंज में वृद्धि और लंबी दूरी की मिसाइलों के निर्माण के लिए शानदार शुरुआत है।

दिल्ली के रोहिणी में ब्रह्म शक्ति अस्पताल के ICU वार्ड में आग

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर आग लगने की घटना सामने आई है। रोहिणी के बुद्ध विहार इलाके में एक प्राईवेट अस्पताल (ब्रह्म शक्ति अस्पताल) में आज सुबह आग लग गई। अस्पताल में लगी आग इतनी ज्यादा थी कि देखते ही देखते इसने पूरे तल को चपेट में ले लिया। आग तीसरी मंजिल में बने आईसीयू वार्ड में लगी थी। जानकारी मिलते ही दमकल की 9 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई थी, जिसने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। बता दें कि आग उस समय लगी जब आईसीयू में कई मरीज भर्ती थे।

दिल्ली दमकल सेवा के निदेशक अतुल गर्ग के अनुसार 1 मरीज को छोड़कर सभी को सुरक्षित बचा लिया गया है। एक मरीज जो वेंटिलेटर पर था उसके मरने का संदेह जताया गया है। आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है।

भारत में लगातार चौथे दिन बढ़े कोरोना के केस, पिछले एक दिन में 8,329 नए मामले, मरीजों की संख्या 40 हजार पार

एक सुकून की बात यह है कि पिछले एक दिन में कोरोना से सिर्फ 10 लोगों की मौत हुई है। यानी संक्रमण दर बढ़ने के बावजूद मृत्यु दर नहीं बढ़ी है।

नई दिल्ली। भारत में कोरोनावायरस के नए केसों की संख्या एक बार फिर तेजी से बढ़ती जा रही है। पिछले 24 घंटे में ही देश में कोरोना के 8,329 नए मामले दर्ज हुए हैं। यह गुरुवार को मिले केसों के मुकाबले करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी है। इसी के साथ यह लगातार चौथा दिन है, जब देश में कोरोना के रोजाना मिलने वाले मामलों की संख्या में इजाफा दर्ज किया गया है। जहां सात जून को देश में रोजाना मिलने वाले मामलों का आंकड़ा पांच हजार के पार था, वहीं अब यह संख्या आठ हजार के ऊपर हो गई है।

इसी के साथ भारत में सक्रिय कोरोना मरीजों की संख्या 40,370 पर पहुंच गई है। हालांकि, एक सुकून की बात यह है कि पिछले एक दिन में कोरोना से सिर्फ 10 लोगों की मौत हुई है। यानी संक्रमण दर बढ़ने के बावजूद मृत्यु दर नहीं बढ़ी है।

गौरतलब है कि भारत में गुरुवार को कोरोना के 7584 केस मिले थे, वहीं बुधवार को रोजाना मिलने वाले मरीजों का आंकड़ा 7240 था। सात जून को देश में कोरोना के 5233 केस सामने आए थे, जबकि छह जून (मंगलवार) को 3741 नए संक्रमित मिले थे। यानी बीते चार दिनों में रोजाना मिलने वाले मामलों की संख्या लगभग ढाई गुना पहुंच चुकी है।

दिल्ली पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की FIR, आरोपियों की पहचान की कोशिश तेज

नई दिल्ली। पैगंबर मोहम्मद के बारे में कथित विवादित टिप्पणी के मामले में भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दिल्ली की जामा मस्जिद के बाहर जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन के मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को बताया कि जामा मस्जिद प्रोटेस्ट के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 188 (महामारी एक्ट) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस प्रदर्शनकारियों की पहचान की कोशिश कर रही है। दरअसल, निलंबित भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जुमे की नमाज के बाद लोगों ने जामा मस्जिद के बाहर प्रदर्शन किया था। हालांकि, जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने प्रदर्शन से दूरी बनाते हुए कहा कि कोई नहीं जानता कि प्रदर्शनकारी कौन थे। उन्होंने ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जामा मस्जिद परिसर में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए जिनमें से कुछ ने तख्तियां ले रखी थीं। प्रदर्शन करने वालों ने नूपुर शर्मा और भाजपा की दिल्ली इकाई के पूर्व मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान भारी सुरक्षा बंदोबस्त किए गए थे ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, मस्जिद के गेट संख्या-1 के पास शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन हुआ और यह करीब 15-20 मिनट तक चला तथा बाद में प्रदर्शनकारी वहां से चले गए।

पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल) श्वेता चौहान ने कहा था कि मस्जिद में करीब 1,500 लोग जुमे की नमाज के लिए इकट्ठे हुए थे। जब नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गयी तो कुछ लोग बाहर आए और उन्होंने तख्तियां दिखाना तथा नारे लगाने शुरू कर दिए। बाद में कुछ और लोग उनके साथ शामिल हो गए और यह संख्या करीब 300 रही। उन्होंने कहा कि जामा मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान हमेशा पुलिस की तैनाती रहती है। प्रदर्शनकारियों को 10 से 15 मिनट में तितर-बितर कर दिया गया और हालात शांतिपूर्ण हैं। घटना के सिलसिले में कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। हमने कुछ शरारती तत्वों की पहचान कर ली है और हमारे दल अन्य लोगों का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों के तितर-बितर होने के बाद भी पुलिस और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवान इलाके में तैनात रहे। इस बीच, बुखारी ने प्रदर्शन से दूरी बनाते हुए कहा कि जुमे की नमाज के बाद करीब 40-50 लोगों ने विभिन्न प्रकार के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया और पोस्टर दिखाए। जामा मस्जिद से विरोध प्रदर्शन का कोई ऐलान नहीं किया गया था। कोई नहीं जानता कि वो लोग कौन थे क्योंकि जुमे की नमाज के लिए हजारों लोग जमा हुए थे। बुखारी ने बताया कि कई लोगों ने उनसे संपर्क किया और इस बारे में स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि मैंने उन्हें इस तरह की चीजों से दूरी बनाकर रखने और शांति बनाए रखने की सलाह दी। दिल्ली पुलिस जांच कर सकती है कि प्रदर्शनकारी कौन थे क्योंकि प्रदर्शन के लिए कोई अनुमति नहीं दी गई थी।

कई मुस्लिम देशों ने जताया विरोध

पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित अपमानजनक बयान को लेकर विवाद रविवार को तब तेज हो गया था जब सऊदी अरब, कुवैत, कतर और ईरान जैसे देशों की तरफ से विरोध जताया गया। इसके बाद भाजपा ने नूपुर शर्मा को निलंबित कर दिया और जिंदल को निष्कासित कर दिया।

31 लोगों पर एफआईआर दर्ज-दिल्ली पुलिस ने कथित रूप से नफरत फैलाने और धार्मिक भावनाओं को आहत करने के मामले में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और विवादास्पद संत यति नरसिंहानंद समेत 31 लोगों के खिलाफ एफआई दर्ज की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार उन लोगो के अटल साहस से ज्यादा प्रभावशाली कुछ भी नहीं है, जो अपनी आजादी और सम्मान के लिए दुःख सहने और त्याग करने के लिए तैयार है। - मार्टिन लूथर किंग जेआर

संपादकीय

बेलगाम महंगाई

कोरोना संकट से उबरते देश पर रूस-यूक्रेन संकट के चलते बाधित खाद्य श्रृंखला की मार असर दिखा रही है। बढ़ते आयात खर्च और कमजोर होते रुपये ने केंद्रीय बैंक की चिंताएं बढ़ाई हैं। तभी आरबीआई ने लगभग एक माह के अंतराल में दूसरी बार रेपो दरों में कटौती की है। सवाल यह है कि क्या मौद्रिक उपायों से रिकॉर्ड तोड़ती महंगाई पर कुछ असर पड़ेगा। यह भी कि क्या छह का आंकड़ा पार कर चुकी खुदरा महंगाई दर में गिरावट आएगी? मौजूदा स्थिति देश की विकास दर को भी प्रभावित करेगी। लेकिन रेपो रेट बढ़ाए जाने का पहला असर यह होगा कि बैंक भी लिये कर्ज की ब्याज दरें बढ़ाएंगे और जिसके चलते आवास व वाहन आदि के कर्जधारकों की किस्तों में इजाफा होगा। उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति पर इसका असर नजर आयेगा। मांग बढ़ाने को कोरोना संकट के दौर में ब्याज दरें कम करने का जो कदम उठाया गया था, वह अब बीते दिनों की बात हो गया है। मौजूदा महंगाई की चुनौती से केंद्र सरकार की चिंताएं भी बढ़ी हैं, महंगाई का राजनीतिक समीकरण भी, जिसका उपयोग विगत में भाजपा भी करती आई है। मगर महंगाई पर काबू पाने के उपायों का असर होता नहीं दीख रहा है। दरअसल, रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। दुनिया के तमाम मुल्क इस संकट से दो-चार हैं। दरअसल, महंगाई की एक वजह यह भी है कि कोरोना संकट के चलते सूक्ष्म,छोटे व मझोले उद्योग-धंधे चौपट हो गये जिसके चलते बाजार में बड़ी कंपनियों की मनमानी है। हाल के दिनों में बड़ी कंपनियां अपना मुनाफा बढ़ाने के लिये दामों में वृद्धि कर रही हैं । यही वजह है कि आने वाले दिनों में मंहगाई कम होती नजर नहीं आ रही है। इसकी एक वजह यह भी है कि रूस-यूक्रेन युद्ध भी थमता नहीं दीख रहा है। निस्संदेह, महंगाई का देश की आर्थिक विकास दर पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। तभी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने भी भारत की विकास दर को कम आंका है। लेकिन चिंता की बात यह है कि बढ़ती महंगाई व घटती क्रय शक्ति के चलते देश के विभिन्न उद्योगों पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। अब चाहे यह वाहन उद्योग हो या विनिर्माण का क्षेत्र। देश में लघु,मझोले व सूक्ष्म उद्योग पहले ही कोरोना संकट से उपजे हालात से उबर नहीं पाये हैं। बेरोजगारी में तेजी जारी है। नये रोजगार बन नहीं रहे हैं। अर्थव्यवस्था ठहराव की स्थिति में प्रतीत होती है जिसे अर्थशास्त्र की भाषा में अर्थव्यवस्था में ठहराव व महंगाई में वृद्धि के चलते स्टैगफ्लेशन की स्थिति बताया जा रहा है। इससे अर्थव्यवस्था के रुझान को लेकर आम आदमी में संशय की स्थिति है जिसके चलते मांग में भी कमी आ रही है। दरअसल, महंगाई की वजह के मुख्य कारणों में जहां युद्ध है, वहीं अमेरिका समेत कई देशों में अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिये जो ब्याज दरों में वृद्धि की गई है, उसके चलते भारतीय बाजार के विदेशी निवेशक अपना पैसा वापस खींच रहे हैं। फलस्वरूप रुपये की कीमत में गिरावट देखी जा रही है। कहीं न कहीं केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि विदेशी निवेशकों की भगदड़ रोकने की कवायद भी है। दरअसल, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी सरकार की चिंता बढ़ाने वाली है। ऐसे में सरकार से उम्मीद है कि नये मौद्रिक उपाय से वह महंगाई पर काबू करने के लिये परोक्ष करों में कटौती करे। खासकर पेट्रो उत्पादों में कमी के हालिया प्रयासों में फिर वृद्धि करे। वहीं सरकार दूसरी ओर हालिया संकट में मोटा मुनाफा कमाने वाले उद्योग जगत पर प्रत्यक्ष कर बढ़ाकर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर सकती है। वहीं चिंता इस बात की बनी हुई है कि यदि रूस-यूक्रेन युद्ध दुनिया में शीत युद्ध की नई परिस्थितियां पैदा करता है तो निश्चित तौर पर महंगाई को थामना और मुश्किल हो सकता है।

आज के कार्टून

दोस्ती

आचार्य रजनीश ओशो/ मेरे कई दोस्त हैं, लेकिन संकट के इस समय में सवाल आया: सच्चा दोस्त कौन है? 'आप गलत छोर से पूछ रहे हैं। कभी मत पूछो, 'मेरा असली दोस्त कौन है?' पूछो, 'क्या मैं किसी का सच्चा दोस्त हूं?' यही सही सवाल है। आप दूसरों के बारे में चिंतित क्यों हैं वे आपके मित्र हैं या नहीं? 'कहावत है: जरूरतमंद दोस्त ही दोस्त होता है, लेकिन गहरे में वह लालच है! वह दोस्ती नहीं है, वह प्यार नहीं है। तुम दूसरे को साधन के रूप में उपयोग करना चाहते हो, और कोई भी मनुष्य साधन नहीं है, प्रत्येक मनुष्य अपने आप में साध्य है। तुम इतने चिंतित क्यों हो कि असली दोस्त कौन है? 'असली सवाल यह होना चाहिए: क्या मैं लोगों के अनुकूल हूं?' दोस्ती की मेरी समझ गलत है तो दोस्ती क्या है? 'दोस्ती बिना किसी जैविक पहलू के प्यार है। यह वह मित्रता नहीं है जिसे आप साधारणतया समझते हैं प्रेमी, प्रेमिका। जीव विज्ञान से जुड़े किसी भी रूप में मित्र शब्द का प्रयोग सरासर मूर्खता है। यह मोह और पागलपन है। आपका उपयोग जीव विज्ञान द्वारा प्रजनन उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। अगर आपको लगता है कि आप प्यार में हैं, तो आप गलत हैं; यह सिर्फ हार्मोनल आकर्षण है। हार्मोन के इंजेक्शन से ही पुरुष स्त्री बन सकता है और स्त्री पुरुष बन सकती है। 'दोस्ती बिना किसी जैविक पहलूके प्यार है। यह एक दुर्लभ घटना बन गई है। अतीत में यह बहुत अच्छी बात हुआ करती थी, लेकिन अतीत में कुछ महान चीजें पूरी तरह से गायब हो गई हैं। बड़ी अजीब बात है कि कुरूप चीजें जिद्दी होती हैं, और सुंदर चीजें बहुत नाजुक होती हैं, वे मर जाती हैं और बहुत आसानी से गायब हो जाती हैं। 'आज मैत्री को या तो जैविक शब्दों में समझा जाता है या आर्थिक दृष्टि से, या समाजशास्त्रीय शब्दों में परिचित के संदर्भ में, एक प्रकार का परिचय।' 'यह मैत्री अभी भी वैसे ही संभव है जैसे आप अभी हैं। ऐसी मैत्री बेहोश लोगों की भी हो सकती है, लेकिन अगर आप अपने होने के प्रति ज्यादा जागरूक होने लगें तो मैत्री मित्रता में बदलने लगती है। मित्रता का एक व्यापक अर्थ है, एक बहुत बड़ा आकाश। 'मैत्री की तुलना में मित्रता एक छोटी सी चीज है। मैत्री टूट सकती है; मित्र शत्रु बन सकता है। मैत्री के सच में यह संभावना अंतर्निहित रहती है। 'यह मनुष्य की अचेतन अवस्था है जहां प्रेम अपने ठीक पीछे घृणा छिपा रहा है, जहां आप उसी व्यक्ति से घृणा करते हैं, जिससे आप प्रेम करते हैं लेकिन आप इसके प्रति जागरूक नहीं हैं।'

बालश्रमः 20 वर्ष बाद भी नहीं सुधरे हालात

(लेखक - योगेश कुमार गोयल/ विश्व बालश्रम निषेध दिवस (12 जून) पर विशेष)

बालश्रम की समस्या पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती बनी है। हालांकि इस समस्या के समाधान के लिए बालश्रम पर प्रतिबंध लगाने हेतु कई देशों द्वारा कानून भी बनाए गए हैं लेकिन फिर भी स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। बालश्रम के प्रति विरोध, इसके लिए लोगों को जागरूक करने, बालश्रम की क्रूरता तथा बालश्रम को पूरी तरह समाप्त करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 12 जून को दुनियाभर में 'बालश्रम निषेध दिवस' मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 'अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन' (इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन) द्वारा वर्ष 2002 में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को बाल मजदूरी से बाहर निकालकर उन्हें शिक्षित करने के उद्देश्य से की गई थी। बच्चों की समस्याओं पर विचार करने के लिए पहला बड़ा अंतर्राष्ट्रीय प्रयास अक्तूबर 1990 में न्यूयार्क में विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था, जिसमें गरीबी, कुपोषण और भुखमरी के शिकार दुनिया भर के करोड़ों बच्चों की समस्याओं पर 151 देशों के प्रतिनिधियों ने विचार-विमर्श किया था। हालांकि चिंता की बात यही है कि बालश्रम निषेध दिवस मनाते हुए 20 वर्ष बीत जाने के बाद भी बाल मजदूरी पर अंकुश नहीं लगाया जा सका है। बढ़ती जनसंख्या, निर्धनता, अशिक्षा, बेरोजगारी, खाद्य असुरक्षा, अनाथ, सस्ता श्रम, मौजूदा कानूनों का दृढ़ता से लागू न होना इत्यादि बालश्रम के अहम कारण हैं। बालश्रम के ही कारण बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाते हैं, उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, बाल अपराध बढ़ते हैं और भिक्षावृत्ति, मानव अंगों के कारोबार तथा यौन शोषण के लिए उनकी गैर कानूनी खरीद-फरोख्त होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में 5 और 17 वर्ष की उम्र के बीच 15 करोड़ से ज्यादा बच्चे बाल मजदूरी करने को विवश हैं, जिनमें से 7.3 करोड़ बच्चे बहुत बदतर परिस्थितियों में खतरनाक कार्य कर रहे हैं, जिनमें सफाई, निर्माण, कृषि कार्य, खदानों, कारखानों में तथा फेरी वाले व घरेलू सहायक इत्यादि के रूप में कार्य करना शामिल हैं। आईएलओ के अनुसार हाल के वर्षों में खतरनाक श्रम में शामिल 5 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों की संख्या बढ़कर करीब दो करोड़ हो गई है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार 15 से 24 वर्ष आयु के 54 करोड़ युवा श्रमिकों में से 3.7 करोड़ बच्चे हैं, जो खतरनाक बालश्रम का कार्य करते हैं, जो विश्व की कुल श्रमिक क्षमता का 15 फीसद है और पिछले ढ़ाई वर्षों के कोरोना काल में तो इन आंकड़ों में बड़ी वृद्धि होने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्य के तहत हालांकि वर्ष 2025 तक बाल मजदूरी को पूरी तरह से खत्म करने का संकल्प लिया गया है लेकिन पूरी दुनिया में बालश्रम के आंकड़े जिस प्रकार बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए ऐसा होता संभव नहीं दिखता। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनीसेफ) की एक रिपोर्ट में बताया जा चुका है कि दुनियाभर में 13 करोड़ से भी ज्यादा बच्चे किसी न किसी कारण स्कूल नहीं जा पाते। वैसे दुनिया के विभिन्न देशों में बालश्रम को लेकर बच्चों की अलग-अलग आयु निर्धारित की गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार श्रम करने वाले 18 वर्ष से कम आयु वालों को बाल श्रमिक माना गया है जबकि आईएलओ के मुताबिक बालश्रम की उम्र 15 वर्ष तय की गई है। अमेरिका में 12 वर्ष अथवा उससे कम उम्र वालों को बाल श्रमिक माना जाता है जबकि हमारे यहां भारतीय संविधान के अनुसार किसी उद्योग, कल-कारखाने अथवा किसी कम्पनी या प्रतिष्ठान में शारीरिक अथवा मानसिक श्रम करने वाले 5 से 14 वर्ष की आयु वाले बच्चों को बाल श्रमिक कहा जाता है। भारत में भी बाल श्रम, बाल शोषण और बाल व्यापार एक गंभीर समस्या है, जिसके लिए आर्थिक तंगी, भुखमरी इत्यादि अहम कारक हैं। यूनीसेफ के अनुसार दुनियाभर के कुल बाल मजदूरों में 12 फीसदी हिस्सेदारी अकेले भारत की है। हालांकि भारत में बाल श्रम (निषेध व नियमन) अधिनियम 1986 के तहत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के जीवन एवं स्वास्थ्य के लिए अहितकर माने गए किसी भी प्रकार के अवैध पेशों तथा कई प्रक्रियाओं में नियोजन को निषिद्ध बनाता है। वर्ष 1996 में उच्चतम न्यायालय ने भी अपने फैसले में संघीय और राज्य सरकारों को खतरनाक प्रक्रियाओं तथा पेशों में कार्य करने वाले बच्चों की पहचान करने, उन्हें कार्य से हटाने और गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया था। अगर मौजूदा समय में बालश्रम की स्थिति देखें तो करोड़ों बच्चे पढ़ने-लिखने, खेलने-कूदने की उम्र में भी उत्तर प्रदेश से लेकर मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर से लेकर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र से लेकर तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, बिहार से लेकर पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा इत्यादि लगभग पूरे देश के विभिन्न हिस्सों में कालीन, दियासलाई, रत्न पॉलिश, ज्वैलरी, पीतल, कांच, बीड़ी उद्योग, हस्तशिल्प, पत्थर खुदाई, चाय बागान, बाल वेश्यावृत्ति इत्यादि कार्यों में लिप्त हैं। एक ओर जहां श्रम कार्यों में लिप्त बच्चों का बचपन श्रम की भट्ठी में झुलस रहा है, वहीं कम उम्र में खतरनाक कार्यों में लिप्त होने के कारण ऐसे अनेक बच्चों को कई प्रकार की बीमारियां होने का खतरा भी रहता है। खतरनाक कार्यों में संलिप्त होने के कारण बाल श्रमिकों में प्रायः श्वास रोग, टीबी, दमा, रीढ़ की हड्डी की बीमारी, नेत्र रोग, सर्दी-खांसी, सिलिकोसिस, चर्म-रोग, स्नायु संबंधी जटिलता, अत्यधिक उत्तेजना, ऐंठन, तपेदिक जैसी बीमारियां हो जाती हैं। हालांकि भारत में बालश्रम को लेकर स्पष्ट आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं लेकिन वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 5 से 14 वर्ष के 25.96 करोड़ बच्चों में से 1.01 करोड़ बालश्रम की दलदल में धकेले गए थे लेकिन बालश्रम निषेध के लिए बने तमाम कानूनों और उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद यह समस्या कम होने के बजाय निरन्तर बढ़ती गई है। गैर सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत में वर्तमान में पांच करोड़ से ज्यादा बाल मजदूर हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो देश में कुल बाल मजदूरों में से करीब 80 फीसद बच्चे गांवों से ही हैं और खेती-बाड़ी जैसे कार्यों से लेकर खतरनाक उद्योगों और यहां तक कि वेश्यावृत्ति जैसे शर्मनाक पेशों में भी धकेले गए हैं। शहरों तथा कस्बों में तो बच्चे ऐसे माहौल में काम करने को विवश हैं, जहां उनके स्वास्थ्य के साथ खुलकर खिलवाड़ होता है। बालश्रम के खिलाफ कार्यरत संगठन 'बचपन बचाओ आंदोलन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 7-8 करोड़ बच्चे अनिवार्य शिक्षा से वंचित हैं और इनमें से अधिकांश बच्चे संगठित अपराध रैकेट के शिकार होकर बाल मजदूरी के लिए विवश किए जाते हैं जबकि शेष गरीबी के कारण स्कूल नहीं जा पाते। वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर देश में सेक्टर आधारित बाल मजदूरी पर नजर डालें तो बच्चों की सबसे बड़ी करीब 33 फीसदी आबादी खेती से जुड़े कार्यों में लगी थी जबकि करीब 26 फीसदी बच्चे खेतिहर मजदूर थे। भारत में बाल मजदूरों की सर्वाधिक संख्या देश के पांच बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश में है। श्रम विशेषज्ञों का मानना है कि बालश्रम केवल गरीबी की ही देन नहीं है बल्कि इसका संबंध समुचित शिक्षा के अभाव से भी है। बाल श्रम पर अंकुश लगाने के लिए देश में दर्जनों कानून हैं लेकिन तमाम कानूनी प्रतिबंधों, प्रावधानों के बावजूद शिवकाशी सहित तमाम पटाखा फैक्टरियों, दियासलाई उद्योगों, कांच उद्योग, पीतल उद्योग, हथकरघा उद्योग इत्यादि में करोड़ों बच्चे कार्यरत हैं और यह सब खुलेआम हो रहा है। बच्चों से मजदूर के रूप से काम कराने वालों के लिए कानून में दंड का प्रावधान है लेकिन इस दिशा में प्रशासनिक सक्रियता का अभाव स्पष्ट परिलक्षित होता रहा है। वास्तविकता यही है कि बाल श्रम उन्मूलन तथा पुनर्वास कार्यक्रमों पर प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा दिए जाते हैं लेकिन उनसे कुछ खास हासिल नहीं होता। बालश्रम की समस्या को मिटाने के बारे में नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का कहना है कि जिस दिन हम एक गरीब के बच्चे के साथ भी अपने बच्चों की तरह व्यवहार करने लगेंगे, बालश्रम स्वतः ही खत्म हो जाएगा। वह कहते हैं कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पर्याप्त संसाधनों, सामूहिक कार्यों और वंचित बच्चों के प्रति पर्याप्त सहानुभूति से ही इस समस्या को समाप्त किया जा सकता है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं)

विश्व दिवस बाल श्रम के खिलाफ

(लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस थीम 2022 'बच्चों को खेतों में नहीं, बल्कि सपनों पर काम करना चाहिए' हर साल 12 जून को पूरी दुनिया में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 2002 में अंतरराष्ट्रीय श्रम संघ ने की थी। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से श्रम न कराकर उन्हें शिक्षा दिलाने के लिए जागरूक करना है। 12 जून को बाल श्रम की समस्या के खिलाफ विश्व दिवस के रूप में चिह्नित किया गया है और बाल श्रम की समस्या पर ध्यान दिया गया है ताकि इसे मिटाने या इसके खिलाफ लड़ने के तरीके खोजे जा सकें। बच्चों को जबरन श्रम में धकेल दिया जाता है, मादक पदार्थों की तस्करी और वेश्यावृत्ति जैसी अवैध गतिविधियों के लिए बच्चों को मजबूर किया जाता है। इस वजह से लोगों को बाल श्रम की समस्या के बारे में जागरूक करने और उनकी मदद करने के लिए इस दिवस को मनाया जाता है। 5 से 17 आयु वर्ग के कई बच्चे ऐसे काम में लगे हुए हैं जो उन्हें सामान्य बचपन से वंचित करते हैं, जैसे कि पर्याप्त शिक्षा, उचित स्वास्थ्य देखभाल, अवकाश का समय या बस बुनियादी स्वतंत्रता। 2002 में, संयुक्त राष्ट्र की संस्था जो काम की दुनिया को नियंत्रित करती है, इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन ने इसी वजह से बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस की शुरुआत किया। दुनिया में बाल श्रम एक आर्थिक-सामाजिक समस्या है। यह एक समाज और देश पर ऐसा दाग है जो पूरी दुनिया में उसकी छवि खराब करता है और एक समाज की बहुत सारी समस्याओं को दर्शाता है। इसलिए विश्व बालश्रम निषेध दिवस को बहुत महत्व दिया जाता है। इस दिवस को अंतरराष्ट्री श्रम संगठन हर साल 12 जून को मनाता है। इतिहास गवाह है कि जब भी किसी आपदा ने किसी समाज को कमजोर किया है और समाज में आर्थिक विसंगतियों के साथ बाल श्रम जैसी समस्याओं ने भी सिर उठाया है। इसी को देखते हुए कोरोना महामारी के इस लंबे दौर में विश्व बालश्रम निषेध दिवस की अहमियत और भी ज्यादा हो जाती है। इसी को देखते हे इस साल इस बार वीक ऑफ एक्शन यानि सक्रियता का सप्ताह मनाया जा रहा है जो 10 जून से शुरू हो चुका है। बालश्रम को दुनिया में खत्म करना आसान नहीं हैं। क्योंकि यह आर्थिक अपराध के साथ सामाजिक समस्या भी है और बच्चों के जीवन तक से खिलवाड़ साबित होता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने कहा है कि बाल श्रम पीढ़ियों की बीच की गरीबी को बढ़ाता है, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं को चुनौती देता है और बाल अधिकार समझौते के द्वारा गारंटी के तौर पर दिए अधिकारों को कमजोर करने का काम करता है। विश्व बाल श्रम दिवस के मौके पर एक रिपोर्ट के मुताबिक कोविड-19 दुनिया भर में पिछले चार साल में बाल श्रमिकों की संख्या 84 लाख से बढ़ कर 1।6 करोड़ तक हो गई है। वहीं आईएलओ की रिपोर्ट के अनुसार 5 से 11 साल की उम्र के बाल श्रम में पड़े बच्चों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। अब इन बच्चों की संख्या कुल बाल श्रमिकों की संख्या की आधी से ज्यादा हो गई है। वहीं 5 से 17 साल तक के बच्चे जो खतरनाक कार्यों के संलग्न हैं वे साल 2016 से 65 लाख से 7.9 करोड़ तक हो गए हैं।

साल 2021 की थीम

इस साल विश्व बाल श्रम निषेध दिवस की थीम 'एक्ट नाउ- एंड चाइड लेबर' यानि 'अभी सक्रिय हों बाल श्रम खत्म करें' है। पिछले दो दशकों में यह पहली बार है कि दुनिया ने इतनी तेजी बाल श्रम बढ़ते देखा है। महामारी के कारण लाखों बच्चे इसकी चपेट में हैं आईएलओ और यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार बाल श्रम रोकने के प्रयास की वृद्धि खत्म हो गई है और अब उसमेंसाल 2000 से 2016 के बीच हुए प्रयासों के मुकाबले गिरावट आ रही है।

बाल श्रम के खिलाफ उपाय होने चाहिए कारगर

बाल श्रम समाज में असमानता और भेदभाव के कारण तो होता ही है, यह सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा भी देता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाल श्रम के खिलाफ उठाया गया किसी भी कारगर कदम को पहचान मिलनी चाहिए और ये प्रयास बच्चों को हो रहे शारीरिक और भावनात्मक नुकसान से निपटने में सक्षम होने चाहिए जो वे गरीब, भेदभाव और विस्थापन के कारण झेल रहे हैं। आईएलओ की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि कोविड-19 महामारी के कारण साल 2022 तक करीब 90 लाख बच्चों को बाल श्रम में झोंके जाने का जोखिम है। एक सिम्यूलेशन मॉडल दर्शाता है कि अगर उन्हें समुचित सामाजिक संरक्षण नहीं मिल सका यह संख्या 4.6 करोड़ तक पहुंच सकती है। ऐसे में बाल श्रम विरोध के लिए हो रहे प्रायासों में कमी और नाकामी और नुकसानदायक हो सकती है।

महामारी के दौरान चल रहे लॉकडाउन पर सीधा असर बच्चों पर पडा है। स्कूल बंद हैं और जो बच्चे पहले से ही बाल मजदूरी में लगे थे उनकी हालत और भी ज्यादा खराब हो गई है। अब वे या तो ज्यादा लंबे समय तक काम करेंगे या फिर और भी खराब हालातों में काम करेगें। वहीं ऐसे बच्चों की संख्या भी तेजी से बढ़ेगी जिनके परिवार में रोजगार नहीं हैं और वे बाल मजदूरी में धकेल दिए जाएंगे।

महंगाई और आर्थिक विपन्नता के कारण इस दिशा में कदम उठाना पड़ता हैं। आज शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र सब जगह यह बीमारी फैलती जा रही हैं। इसके रोकथाम पर लगाम लगाना बहुत टेढ़ी खीर हैं।

सब कुछ हमारे देश में रोटी नहीं तो क्या ?
वादा लपेट लो, लंगोटी नहीं तो क्या ?

आर्थिक असमानता के कारण ये बुराइयाँ पनपती हैं और इसका हल वास्तविकता के धरातल पर आकर करना होगा।

बाल श्रम यानी भविष्य का गर्भपात

सू-दोकू नवताल -2138

3	8				1			6
2	4	7			3			5
		6	8	7		4	9	
	9	3		4	6		8	7
6	5		7	3		1	2	
	2	4		6	5	7		
7			3			9	5	8
9			1				4	2

सू-दोकू -2137 का हल

9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2138

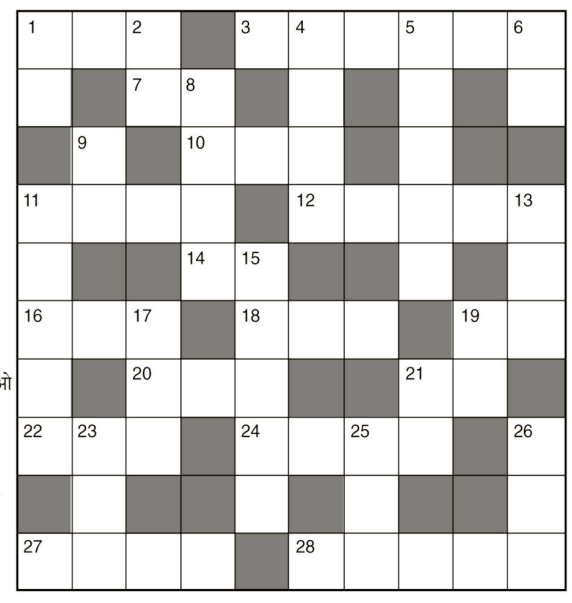

बायें से दायें:-

1. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-3
3. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-3,3
7. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-2
10. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-3
11. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-4
12. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-2,3
14. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-2
16. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-3
18. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-3
19. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-2
20. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-3
21. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-2
22. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-3
24. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-4
27. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-4
28. फिल्म 'मासूम' का नायक था-2,3

ऊपर से नीचेः-

1. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-2
2. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की 1986 की एक फिल्म-2
4. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-4
5. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-2,1,2
6. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-2
8. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-4
9. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-2
11. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-3,2
13. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-3
15. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-5
17. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-3
19. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-2
21. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-2
23. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-3
25. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-3
26. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2137

दे	व		प्रे	म	क	हा	नी		जी
व		तु	म		सू		तू	फा	न
ता	ल		पु	का	र		सिं		त
	क्ष	य	जा			तो	ह	फा	
नी		मे	री	जं	ग			गु	प्त
क	बी	ला		ग		प्या		न	
री			सो	ल	वां	सा	ल		दा
	जु	ग	नू		टे		व	ही	दा
ध	र्मा				ड		स्टो		गि
	ना	जा	य	ज		चो	री	चो	री

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जल्द ही लोगों को डिजिटल करेंसीज से जुड़े जोखिमों के बारे में पता चल सकेगा

नई दिल्ली । दुनियाभर में हाल के वर्षों में बिटकॉइन जैसी क्रिप्टोकरेंसीज की लोकप्रियता बढ़ी है। सूत्रों की मानें तो देश में करोड़ों लोगों ने क्रिप्टोकरेंसीज में निवेश किया है। इसमें युवाओं से लेकर सीनियर सिटीजंस भी शामिल हैं लेकिन क्रिप्टोकरेंसीज पर अब तक देश में कोई कानून नहीं है। इस कारण लोगों में भ्रम की स्थिति है। इसे दूर करने के लिए सरकार जल्दी ही एक दस्तावेज जारी करने जा रही है। इसमें क्रिप्टोकरेंसीज के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों का विस्तार से जवाब दिया जाएगा। साथ ही निवेशकों की केस स्टडी के बारे में भी बताया जाएगा ताकि लोगों को डिजिटल करेंसीज से जुड़े जोखिमों के बारे में बताया जा सके। मंत्रालय ने इसके लिए एक पैनल बनाया है। इसमें अधिकारियों, जानकारों, वकीलों, डिजिटल एक्सचेंजेज और एनजीओ के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। सरकार को ऐसे हजारों लोगों की तरफ से ज्ञापन मिला है जिन्होंने क्रिप्टोकरेंसीज में अपना निवेश गंवाया है। एफओक्यू से उपभोक्ताओं को क्रिप्टोकरेंसीज के बारे में अपनी समझ बढ़ाने का मौका मिलेगा। इससे वे इनमें निवेश करते समय सावधानी बरत सकेंगे।

भुगतान न होने से परिचालन में परेशानीः फ्यूचर सप्लाई चेन

नई दिल्ली । फ्यूचर सप्लाई चेन सॉल्यूशंस को श्रमिकों और कर्मचारियों को भुगतान न कर पाने के कारण अपने कुछ गोदामों के कारोबार संचालन में बार-बार व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। फ्यूचर सप्लाई चेन सॉल्यूशंस लिमिटेड (एफएससीएसएल) ने अपने कारोबार के संचालन को लेकर कहा कि कंपनी के श्रमिक और स्थायी कर्मचारी व्यावसायिक गतिविधियों को रुक-रुक कर बाधित कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में कंपनी प्रबंधन को आशंका है कि ग्राहकों द्वारा अनुबंधों में लंबे समय तक व्यवधान पड़ने से व्यापार संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इससे ओ खिर में कंपनी की वित्तीय जिम्मेदारी और अन्य कार्यों को पूरा करने की क्षमता भी प्रभावित होगी।

पेट्रोल-डीजल के दाम 20वें दिन भी स्थिर

नई दिल्ली । देश में तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे लगातार 20वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल के आगे चल रही है। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक दिल्ली में आज पेट्रोल का दाम 96.72 रुपए और डीजल का दाम 89.62 रुपए प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 111.35 रुपए और 97.28 रुपए प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं। केंद्र सरकार ने 25 मई को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपये और छह रुपए प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से क्रमशः 9.5 रुपए और सात रुपए तक गिर गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 122.01 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.86 प्रतिशत गिरकर 120.47 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिका में महंगाई ने तोड़ा 40 सालों का रिकॉर्ड

वाशिंगटन । अमेरिका में महंगाई मई महीने में चार दशकों के अपने सबसे ऊंचे स्तर 8.6 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसके पीछे मुख्य कारण गैस, खानपान और अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमत बढ़ने से है। अमेरिका के श्रम` विभाग ने मई 2022 के महंगाई से जुड़े आंकड़े जारी किए। ` विभाग ने बताया कि पिछले महीने कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स एक साल पहले की तुलना में 8.6 प्रतिशत बढ़ गया है। एक महीने पहले अप्रैल में उपभोक्ता कीमतें एक साल पहले के इसी महीने की तुलना में 8.3 प्रतिशत बढ़ी थीं। वहीं मासिक आधार पर देखें तो, मई में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स में अप्रैल की तुलना में एक फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी मार्च की तुलना में अप्रैल में हुई 0.3 फीसदी की बढ़ोतरी की तुलना में काफी ज्यादा है। अमेरिका पिछले कुछ महीनों से लगातार महंगाई की ऊंची स्थिति से जूझ रहा है। खानपान एवं अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से एक अमेरिकी परिवार के लिए जीवन-यापन करना काफी मुश्किल हो गया है। इसकी सबसे ज्यादा मार अश्वेत समुदाय और निम्न-आय वर्ग के लोगों को झेलनी पड़ रही है। मार्च 2022 में कंज्यूमर प्राइस आधारित महंगाई 1982 के बाद पहली बार 8.5 फीसदी पर पहुंची थी। इस बढ़ी हुई महंगाई ने अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को भी ब्याज दर में बढ़ोतरी के लिए मजबूर किया है। हालांकि कुछ विश्लेषकों ने ऐसी संभावना जताई है कि आने वाले कुछ महीनों में अमेरिका में महंगाई की तेजी पर लगाम लगेगी लेकिन इसके बावजूद महंगाईति के साल के अंत में 7 फीसदी से नीचे आने की संभावना कम ही है। यूएस के शेयर बाजारों में गिरावट का असर सोमवार को भारतीय बाजार पर दिख सकता है।

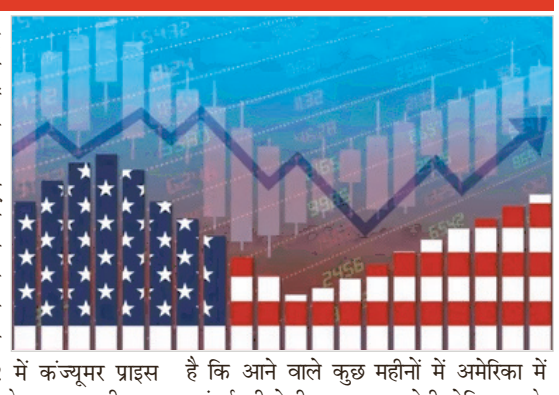

भारत के फैसले से घटेंगी गेहूं की वैश्विक कीमतें- आईएमएफ

वाशिंगटन । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने गेहूं निर्यात प्रतिबंध में ढील देने को लेकर भारत सरकार का आभार भी जताया है। साथ ही कहा कि भारत के फैसले से गेहूं की वैश्विक कीमतें घट जाएगी। आईएमएफ के मुताबिक यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से लगभग 30 देशों ने खाद्यान्न और ईंधन सहित अन्य जरूरी वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए हैं। इससे वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने और बाजारों के अस्थिर होने का जोखिम है। आईएमएफ ने गेहूं निर्यात पर घोषित प्रतिबंध में ढील और कुछ माल को भेजने की अनुमति देने पर भारत सरकार के फैसले का स्वागत किया।

गुमराह करने वाले विज्ञापनों में दिखने वाले कलाकारों पर भी होगी कार्रवाई

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने बच्चों को निशाना बनाने वाले भ्रामक विज्ञापनों पर प्रे तिबंध लगाने के लिए नए निर्देश जारी किए। इसके तरह किसी प्रोडक्ट की खरीद पर फ्री में दूसरा प्रोडक्ट देने वाले विज्ञापनों पर रोक रहेगी। किसी विज्ञापन में स्वास्थ्य से जुड़ी गलत जानकारी देने पर कंपनियों के साथ विज्ञापनों में दिखने वाले कलाकारों पर भी सख्त कार्रवाई होगी। दोनों पार्टियों पर पहली बार में दस लाख रुपए का जुर्माना लग सकता है। साथ ही विज्ञापन बनाने वालों पर तीन साल का प्रे तिबंध भी लगाया जा सकता है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की गाइडलाइंस में यह भी कहा गया है कि विज्ञापनों पर नजर रखी जाएगी कि कही इनके जरिए झूठे वादे और मूर्ख तो नहीं बनाया जा रहा है। इस तरह के विज्ञापन उपभोक्ताओं के विभिन्न अधिकारों का उल्लंघन करते हैं जैसे कि सही सूचना मिलने का अधिकार, चुनने का अधिकार और संभावित असुरक्षित उत्पादों और सेवाओं के खिलाफ सुरक्षा का अधिकार। किसी प्रकार का लालच देकर प्रोडक्ट खरीदने के लिए राजी करने वाले तरीकों पर भी रोक का प्रावधान है। साथ ही किसी भी प्रफेशनल को स्वास्थ्य संबंधी प्रोडक्ट का विज्ञापन करने की अनुमति नहीं होगी।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट रही

- सेंसेक्स 1,016 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 54,303 पर बंद
- निफ्टी 276 अंक टूटकर 16,201 पर बंद

मुंबई । बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में पूरे सप्ताह भर` गिरावट दर्ज की गई। सप्ताह की शुरुआत में बाजार गिरावट पर खुले और ओ खिर में भी भारी गिरावट पर बंद हुए। घरेलू शेयर बाजारों में सप्ताह के पांचों` दिन कमजोरी दर्ज की गई। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजारों में तेज बिकवाली के बीच आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, बैंकिंग और एनर्जी शेयरों में नुकसान के साथ बाजार में गिरावट रही। कारोबारियों के अनुसार रुपए की विनिमय दर में गिरावट, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी का भी बाजार की धारणा पर असर पड़ा। पिछले सप्ताह भर के शेयर बाजार के कारोबार पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 226.7 अंक गिरकर 55,542.53 पर खुला और 93.91 अंक की गिरावट के साथ 55,675.32 पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 67.05 अंक गिरकर 16,517.25 पर खुला और 14.75 अंक की गिरावट के साथ 16,569.55 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 559.46 अंक गिरकर 55,115.86 पर खुला और 567.98 अंक की गिरावट के साथ 55,107.34 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 161.05 अंक गिरकर 16,408.50 पर खुला और 153.20 अंक गिरकर 16,416.35 पर बंद हुआ।

बुधवार को सेंसेक्स 68.73 अंक की गिरावट के साथ 55,038.61 पर खुला और 214.85 अंक की गिरावट के साथ 54,892.49 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 13.15 अंक टूटकर 16,403.20 पर खुला और 60.10 अंक की गिरावट के साथ 16,356.25 पर बंद हुआ। गुरुवार को बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 277.91 अंक की गिरावट के साथ 54,614.58 पर खुला और 427.79 अंक चढ़कर 55,320.28 पर बंद हुआ। निफ्टी 76.40 अंक टूटकर 16,279.85 पर खुला और 121.85 अंक की बढ़त के साथ 16,478.10 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 597.2 अंक या 1.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 54,723.08 पर खुला और 1,016.84 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 54,303.44 पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी 176.30 अंक की गिरावट के साथ 16,301.80 पर पर खुला और 276.30 अंक टूटकर 16,201.80 पर बंद हुआ।

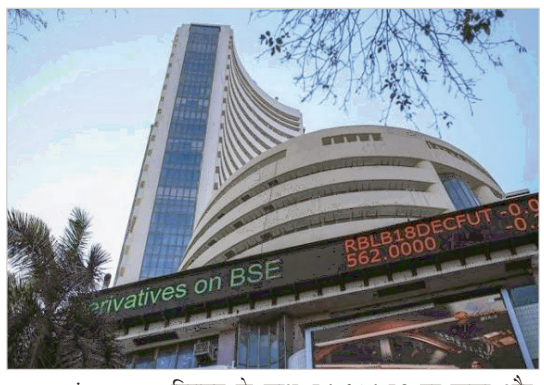

फिच ने भारत की वित्तीय साख की संभावनाओं को सुधारा

- भारत की वित्तीय साख को नकारात्मक से स्थिर श्रेणी में कर दिया

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिंच ने भारत की वित्तीय साख की आगे की संभावनाओं के अपने अनुमान को सुधारा है और इसे नकारात्मक से स्थिर श्रेणी में कर दिया है। फिच रेटिंग्स ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की साख में गिरावट का जोखिम घटा है क्योंकि देश की आर्थिक वृद्धि की मध्यकालीन संभावनाओं का संकट कम हुआ है। अर्थव्यवस्था की हालत तेजी से सुधरी है तथा भारत के वित्तीय क्षेत्र की कमजोरियां कम हुई हैं। यद्यपि वैश्विक जींस बाजार में कीमतों की उछाल से देश के सामने चुनौती बनी हुई है। एजेंसी ने, वैसे भारत की एक देश के रूप में वित्तीय साख बीबीबी ऋणात्मक के वर्तमान स्तर पर बनाए रखा है। फिच ने कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार का क्रम तेज बना हुआ है। इससे पहले मूडीज और स्टैंडर्ड एंड पुअर्स ने भी भारत के आर्थिक परिदृश्य के अपने अनुमानों को पहले से अच्छा किया। इससे भारत के नीति निर्माताओं पर एक ऐसे समय में दबाव कम होगा जबकि रूस और यूक्रेन के युद्ध से पैदा हालात के बीच स्थितियां चुनौतीपूर्ण हुई हैं। फिच ने भारत के आर्थिक परिदृश्य का आकलन करते हुए देश के विदेशी मुद्रा भंडार और बुनियादी संकेतकों पर गौरव किया है। फिंच ने उल्लेख किया है कि मार्च 2022 में समाप्त वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था ने 8.7 प्रतिशत की मजबूती वृद्धि दर्ज की। उसने चालू वित्त वर्ष 2022 - 23 में भारत की वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 7.8 फीसदी किया है। मार्च में उसने इसके 8.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था।

फिच का कहना है कि विश्व बाजार में जींस की कीमत में उछाल के आघात से वृद्धि दर में सुधार की संभावनाएं प्रभावित हुई हैं। फिच का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कि मध्यकालीन संभावनाएं अन्य समकक्ष देशों की तुलना में बेहतर हैं और इससे देश की वित्तीय साख को दो तरफा समर्थन समर्थन मिलता है। उसका अनुमान है कि 2022-23 में भारत में मुद्रास्फीति औसतन 6.9 फीसदी के ऊंचे स्तर पर बनी रहेगी। एजेंसी ने बताया है कि मुद्रास्फीति का यह दबाव विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में जींस के दाम में तेजी के कारण बढ़ है, साथ-साथ भारतीय अर्थव्यवस्था में मांग भी मजबूत चल रही है।

पोर्टल के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति नहीं करने पर होगी कार्रवाईः दूरसंचार विभाग

नई दिल्ली । दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को कहा कि दूरसंचार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा निर्देश के तहत भरोसेमंद दूरसंचार पोर्टल के लिए एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति नहीं करने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस निर्देश के तहत दूरसंचार सेवा प्रदाता केवल सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित विश्वसनीय स्रोत से ही उपकरण लगा सकते हैं। दूरसंचार विभाग ने कहा कि उसने इस बारे में 30 मार्च, 2021 और 16 जून, 2021 को निर्देश जारी करने के अलावा 13 दिसंबर, 2021 को एक स्मरण-पत्र भी जारी किया है। विभाग के ताजा नोटिस में कहा गया है कि सभी दूरसंचार लाइसेंसधारकों ने अभी भी विश्वसनीय दूरसंचार पोर्टल पर अपना पंजीकरण नहीं कराया है। पोर्टल के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के लिए 15 जून तक का समय दिया गया है। अगर दूरसंचार सेवा प्रदाता इस नोडल अधिकारी की नियुक्ति के बारे में जानकारी नहीं दे पाए तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। संचार नेटवर्क की सुरक्षा कड़ी करने के लिए 16 दिसंबर, 2020 को सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति ने दूरसंचार क्षेत्र पर राष्ट्रीय सुरक्षा निर्देश को मंजूरी दी थी। इसमें सेवा प्रदाताओं को विश्वसनीय स्रोतों से ही उपकरण खरीदने की अनिवार्यता रखी गई है।

फ्यूचर रिटेल मामलाः एनसीएलटी 14 जून को अमेजन की याचिका पर सुनवाई जारी रखेगा

मुंबई । राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने फ्यूचर रिटेल लिमिटेड के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने के विरोध वाली अमेजन की याचिका पर सुनवाई 14 जून तक के लिए स्थे गित कर दी। ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन के वकील राजीव नायर की दलीलें सुनने के बाद एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने कहा कि वह 14 जून इस मामले की सुनवाई जारी रखेगी। बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने दरअसल फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) के खिलाफ दिवाला समाधान कार्यवाही शुरू करने के आग्रह को लेकर याचिका दायर की है। इस मामले में एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने छह जून को ऑनलाइन माध्यम से सुनवाई की थी। बीओआई की याचिका को हालांकि, अभी स्वीकार किया जाना बाकी है। इससे पहले, अमेजन ने 12 मई को दिवाला और ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 65 के तहत एक याचिका दायर की थी। अमेजन ने दिवाला कार्यवाही आवेदन का विरोध कर आरोप लगाया था कि बीओआई और फ्यूचर रिटेल के बीच साठगांठ है और इस स्तर पर कोई भी दिवाला कार्यवाही ई-कॉमर्स कंपनी के अधिकारों के साथ समझौता होगा। यह तीसरी बार है जब एनसीएलटी ने फ्यूचर रिटेल के खिलाफ बीओआई की याचिका को स्वीकार करने से पहले एक और सुनवाई करने का फैसला किया है।

नेपाल ने भारत को 364 मेगावाट बिजली का निर्यात शुरू किया

काठमांडू । नेपाल ने अपने बिजली एक्सचेंज बाजार के जरिये भारत को कुल स्वीकृत 364 मेगावाट बिजली का निर्यात करना शुरू कर दिया है। नेपाल सरकार के स्वामित्व वाले निकाय नेपाल बिजली प्राधिकरण (एनईए) के अनुसार इस साल अच्छी बारिश होने से नेपाल लगातार दूसरे वर्ष अपने बिजली एक्सचेंज बाजार के माध्यम से भारत को अधिशेष बिजली का निर्यात कर रहा है। एनईए के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि त्रिशूली और देवीघाट जलविद्युत परियोजनाओं से 37.7 मेगावाट, कालीगंडकी जलविद्युत परियोजना से 140 मेगावाट, मध्य मर्सियांगडी से 68 मेगावाट, मर्सियांगडी से 67 मेगावाट और लिखु -4 से 51 मेगावाट की बिक्री भारत को की जा रही है। एनईए ने ` पिछली दो जून को त्रिशूली और देवीघाट से पैदा हुई उत्पन्न बिजली की बिक्री शुरू की थी। इस साल जून से नवंबर के ओ खिर तक भारत को 364 मेगावाट बिजली बेचने से नेपाल को 4.78 अरब रुपए प्राप्त होने की संभावना है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में आई गिरावट, गोल्ड रिजर्व भी घटा

मुंबई । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर गिरावट आई है। लगातार दो हफ्ते तक बढ़ने के बाद 3 जून, 2022 को समाप्त हुए सप्ताह में यह 30.60 करोड़ डॉलर घटकर 601.057 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले 27 मई, 2022 को समाप्त हुए सप्ताह में यह 3.854 अरब डॉलर बढ़कर 601.363 अरब डॉलर पर पहुंच गया था जबकि 20 मई, 2022 को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.695 अरब डॉलर घटकर 597.73 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के जारी` किए गए साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक, 3 जून को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) में आई कमी की वजह से हुई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिजर्व बैंक ने कहा कि रिपोर्टिंग वीक में भारत की एफसीए 20.8 करोड़ डॉलर घटकर 536.779 अरब डॉलर हो गई।

डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। आंकड़ों के मुताबिक रिपोर्टिंग वीक में गोल्ड रिजर्व का मूल्य भी 7.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.843 अरब डॉलर रह गया। रिपोर्टिंग वीक में इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (एमआईएफ) में देश का एसडीआर यानी स्पेशल ड्राइंग राइट 2.8 करोड़ डॉलर घटकर 18.41 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 50 लाख डॉलर बढ़कर 5.025 अरब डॉलर हो गया।

कच्चा तेल 10 साल के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली । भारतीय मानक कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 10 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। इसके बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। पेट्रोलियम नियोजन एवं विश्लेषक प्रकोष्ठ के मुताबिक भारत की ओर से खरीदे जाने वाले कच्चे तेल की कीमतें 9 जून को बढ़कर 121.28 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गईं।

यह फरवरी, मार्च, 2021 के बाद एक दशक का उच्च स्तर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के तुरंत बाद भारतीय मानक कच्चा तेल 25 फरवरी, 2022 से 29 मार्च के बीच औसतन 111.86 डॉलर प्रति बैरल रहा। उधर, अमेरिका जैसे प्रमुख ग्राहकों की मजबूत मांग के कारण वैश्विक बाजार में कच्चा तेल गुरुवार को 13 सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक बाजार में अगस्त के लिए ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 0.81 डॉलर घटकर 122.26 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई। अमेरिकी मानक कच्चा तेल का भाव जुलाई के लिए 0.79 डॉलर घटकर 120.72 डॉलर रहा। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद देश में खुदरा कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम नवंबर, 2021 से पेट्रोल पंपों पर बिकने वाले ईंधन के दाम लागत से कम रखे हुए हैं। भारत अपनी कुल जरूरतों का 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है।

उद्योग के सूत्रों का कहना है कि स्थानीय पेट्रोल पंपों पर कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल के मानक के अनुसार हैं। महंगाई पर काबू पाने में सरकार की मदद करने के लिए तेल कंपनियों ने कीमतें नहीं बढ़ाई हैं।

ऐसे में उद्योग को पेट्रोल पर 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 21 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां नुकसान के बावजूद कामकाज जारी रखी हुई हैं।

Sports

भारत के राहुल ने पैरा निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली । भारत के पैरा निशानेबाज राहुल जाखड़ ने फ्रांस में जारी पैरा निशानेबाजी विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पी5 मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल स्टैंडर्ड एसएच1 और टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। इसी के साथ ही पेरिस पैरालम्पिक के इस क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने पांच स्वर्ण और तीन रजत पदक जीते हैं । गौरतलब है कि टोक्यो पैरालम्पिक 2020 में मिश्रित 25 मीटर पिस्टल फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे जाखड़ ने हमवतन रूबिना फ्रांसिस को हराया। उन्होंने पहली तीन सीरिज में 90 से अधिक का स्कोर किया और उनका कुल स्कोर 367 सिक्स एक्स रहा। वहीं फ्रांस के इडेन गाएले को कांस्य पदक मिला है। जाखड़ ने इससे पहले क्रोएशिया में साल 2019 विश्व कप में भी पुरूषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता था।

निलामी में 200 खिलाड़ी लेंगे भाग

बेंगलुरू।

कर्नाटक के कम से कम 200 खिलाड़ी ग्रां प्री बैडमिंटन (जीपीबीएल) में यहां रविवार को उद्घाटन सीजन के लिए नीलामी के माध्यम से पीवी सिंधु, के श्रीकांत और बी साई प्रणीत के मार्गदर्शन में टीमों का चयन करेंगे। कर्नाटक स्टेट बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा समर्थित, लीग में आठ फ्रेंचाइजी हैं, बेंगलुरु लायंस, मैंगलोर शार्क , मांड्या बुल्स, मैसूर पैंथर्स, मलनाड फाल्कन्स, बांदीपुर टस्कर्स, केजीएफ वोल्व्स और कोडागु टाइगर्स-जो चुनकर अपनी टीमों का निर्माण करना चाहते हैं। लंकी शटलर ने कहा, प्रत्येक टीम में अधिकतम आठ खिलाड़ी शामिल होंगे और इसमें एक आइकन खिलाड़ी, कम से कम दो टियर-1 और टियर-2 खिलाड़ी शामिल होने चाहिए और साथ ही आइकन श्रेणी सहित कम से कम दो महिला खिलाड़ी भी शामिल होनी चाहिए। बिट्सपोर्ट के सीईओ और जीपीबीएल के आयुक्त प्रशांत रेड्डी ने कहा, हमारे पास खिलाड़ियों का एक बहुत ही प्रतिभाशाली पूल है। इस मैदान में पहले सीजन के लिए केवल कर्नाटक के खिलाड़ी शामिल होंगे। कोचों के जीपीबीएल पैनल और गवर्निंग काउंसिल के साथ सभी प्रविष्टियों का मूल्यांकन करने के बाद, हमने खिलाड़ियों को आईकॉन, टियर-1 और टियर-2 में वर्गीकृत किया है। कोच ने कई कारकों को ध्यान में रखा है, जिसमें रैंकिंग, टूर्नामेंट में प्रदर्शन, कौशल, सक्रिय प्रशिक्षण और चोटें शामिल है। प्रत्येक टीम में किदांबी श्रीकांत, साई प्रणीत, अश्विनी पोनप्पा, चिराग शेट्टी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, एचएस प्रणय, पीवी सिंधु और ज्वाला गुट्टा सहित एक स्टार मेंटर हैं। डबल ओलंपिक पदक विजेता सिंधु, जो बेंगलुरु लायंस की मेंटर हैं, ने कुआलालंपुर से कहा कि वह यह देखने के लिए उत्सुक थीं कि फ्रेंचाइजी अपनी टीमों का चयन कैसे करती हैं। यह पहला सीजन है और मेरा मानना है कि बहुत सारे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और हर टीम एक संतुलित पक्ष चुनने की कोशिश करेगी। मिथुन मंजूनाथ, रघु मारिस्वामी, डेनियल फरीद, सनित दयानंद, प्रकाश राज, साई प्रतीक, जननी अनंतकुमार और तान्या हिरेमथ को आइकन खिलाड़ियों का दर्जा दिया गया है। जहां प्रति टीम खिलाड़ी का पर्स अधिकतम 12 लाख रुपये होगा, वहीं आइकन खिलाड़ियों के लिए आधार शुल्क 2.5 लाख रुपये और वेतन सीमा 3.5 लाख रुपये है। टियर-1 खिलाड़ियों के लिए न्यूनतम वेतन 75,000 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि इसकी अधिकतम सीमा 2 लाख रुपये है, जबकि टियर-3 खिलाड़ियों के लिए न्यूनतम वेतन 25,000 रुपये और अधिकतम 50,000 रुपये है। विजेताओं के लिए 24 लाख रुपये के साथ कुल 60 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दांव पर है, जबकि उपविजेता को 12 लाख रुपये मिलेंगे। सेमीफाइनलिस्ट को 6 लाख रुपये का चेक दिया जाएगा जबकि पांचवें स्थान पर रहने वाली टीम को 4 लाख रुपये का चेक दिया जाएगा। अंतिम तीन टीमों को क्रमशः 3 लाख, 2 लाख और 1 लाख रुपये की राशि भेंट की जाएगी। प्रत्येक खेल में विभिन्न व्यक्तिगत प्रदर्शनों और पूरे सत्र के लिए खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा, जिसके लिए 4 लाख रुपये की राशि अलग रखी गई है।

निकहत , लवलीना सहित चार महिला मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलों के लिए प्रवेश मिला

नई दिल्ली ।

विश्व चैम्पियन निकहत जरीन 50 किग्रा और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन 70 किग्रा को राष्ट्रमंडल खेलों के लिये भारतीय टीम में शामिल किया गया है। निकहत व लवलीना ने चयन ट्रायल्स में शानदार जीत के साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों के लिये भारतीय टीम में जगह बनायी। निकहत ने ट्रायल के दौरान हरियाणा की मीनाक्षी को सर्वसम्मत फैसले में 7-0 और लवलीना ने इतने ही अंतर से रेलवे की पूजा को हराया। इसके अलावा नीतू ने 48 किग्रा और जैसमीन ने 60 किग्रा ने भी राष्ट्रमंडल खेलों के लिये टीम में अपने स्थान पक्के किये। निकहत ने अपने मुकाबलों में विरोधी खिलाड़ी पर जमकर प्रहार किये। वहीं पूर्व युवा विश्व चैम्पियन नीतू ने एक खंडित फैसले में साल 2019 की रजत पदक विजेता मंजू रानी को 5-2 से हराया। नीतू ने इससे पहले स्ट्रेंड्जा मेमोरियल में स्वर्ण पदक भी जीता था। वहीं साल 2021 एशियाई युवा मुक्केबाजी चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता जैसमीन ने लाइट मिडिलवेट फाइनल में साल 2022 की विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा को परास्त किया। राष्ट्रमंडल खेल बर्मिंघम में 28 जुलाई से आठ अगस्त तक खेले जाएंगे।

नॉर्वे शतरंज में तीसरे स्थान पर रहे आनंद , कार्लसन ने पांचवीं बार जीता खिताब

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रहे हैं। वहीं पहला स्थान नॉर्वे के ही मेगनस कार्लसन जबकि दूसरा स्थान अजरबैजान के शाखियार ममेद्यारोव को मिला है। कार्लसन ने रिकार्ड पांचवीं बार इस खिताब पर कब्जा किया है। कार्लसन का अंतिम दौर में बुल्गारिया के वेसेलीन टोपालोव से क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। उसके बाद टाईब्रेक जीतकर उन्होंने 1.5 अंक बटोरे और 16.5 अंको के साथ ही पहला स्थान हासिल किया। वहीं अजरबैजान के शाखियार ममेद्यारोव को अंतिम दौर में टाईब्रेक के दौरान अपने ही देश के तैमूर रद्जाबोव से मिली शिकस्त के कारण एक अंक मिला और वह 15.5 अंको के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि भारत के आनंद ने अंतिम दौर में नॉर्वे के आर्यन तारी को टाईब्रेक मे हराकर 1.5 अंक हासिल किए और वह 14.5 अंको लेकर तीसरे स्थान पर रहे।

मैंने भारतीय टीम में वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत की : बोले हार्दिक पांड्या

बीसीसीआई ने पोस्ट किया पांड्या का वीडियो

कटक।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में हार्दिक पांड्या और दिनेश कार्तिक ने लंबे अंतराल के बाद टी20 टीम में वापसी की है। जहां कार्तिक ने सिर्फ दो गेंदें खेलीं, वहीं पांड्या ने स्ट्रोक-प्ले के साथ 12 गेंदों में नाबाद 31 रन बनाए। 258.33 की स्ट्राइक रेट से दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से टीम को फिनिशिंग टच दिया। अब, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में, पांड्या ने 2021 टी20 विश्व कप के दौरान राष्ट्रीय टीम में आखिरी बार देखे जाने के बाद भारत टी20 टीम में वापस आने के बारे में अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। पांड्या ने कहा कि लंबे ब्रेक के बाद देश के लिए खेलना हमेशा विशेष रहा है। मैं नए सिरे से वापसी कर रहा हूं और वापस आने के लिए बहुत उत्साहित हूं। ऑलराउंडर ने अहमदाबाद में अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस को आईपीएल 2022 का खिताब दिलाने के बाद भारतीय टीम में वापसी की। उन्होंने अंतिम मैच में गेंद से चार ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट झटके थे और बल्ले से 34 रन के साथ टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने भारतीय टीम से छुट्टी के दौरान अपनी दिनचर्या के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मैंने जिस प्रक्रिया का पालन किया उस पर मुझे गर्व है। कोई नहीं जानता कि छह महीने के दौरान मैं क्या कर रहा था। कोई नहीं जानता कि छह महीने में मैंने क्या किया। पांड्या आगे बताया- मैं सुबह 5 बजे उठता था और मैच का अभ्यास करता था। फिर शाम 4 बजे मैं अभ्यास करता था। इसलिए, अपने आप को पर्याप्त आराम देने के लिए, मैं रात में 9:30 बजे तक सो जाता था। मैंने उस दौरान बहुत सारे बलिदान दिए थे। मैंने इस दौरान बहुत सारी मेहनत की, जिसका परिणाम मुझे आईपीएल में देखने को मिला।अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित होने वाले टी20 विश्व कप 2022 के साथ पांड्या का लक्ष्य टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना है।

संक्षिप्त समाचार

नेशन्स लीग फुटबॉल : एमबापे ने फ्रांस को हार से बचाया , ऑस्ट्रिया से मुकाबला ड्रॉ

पेरिस । विश्व चैम्पियन फ्रांस ने नेशन्स लीग फुटबॉल मैच में हुए एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में ऑस्ट्रिया को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। फ्रांस की ओर से स्टार खिलाड़ी काइलन एमबापे ने शानदार गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। इससे फ्रांस टीम अब 3 मैचों में 2 अंक लेकर ग्रुप एक की तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। ऐसे में अब फ्रांस को सोमवार को होने वाले अपने घरेलू मैदान पर किसी भी हालत में क्रोएशिया पर जीत दर्ज करनी होगी। वहीं मारियो पसालिच के गोल से क्रोएशिया ने एक अन्य मैच में डेनमार्क को 1-0 से शिकस्त दी। डेनमार्क छह अंक के साथ ग्रुप एक में शीर्ष पर है। वहीं ऑस्ट्रिया और क्रोएशिया के बराबर चार-चार अंक है। फ्रांस के साथ मुकाबले में ऑस्ट्रिया की ओर से एंड्रियास वीमन ने 37वें मिनट में एक गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी पर इसके बाद एंटोइन ग्रीजमैन के स्थान पर मैदान में आए एमबापे ने 83वें मिनट में गोल कर फ्रांस को बराबरी पर ल दिया। एमबापे का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह 27वां गोल है। इसके बाद मैच के 87वें मिनट में एमबापे ने गोल का एक और प्रयास किया पर वह विफल रहे। उनकी किक गोल-पोस्ट से टकराकर बाहर हो गयी। वहीं लीग बी (दूसरे टियर) के ग्रुप दो के एक मैच में मानोर सोलोमोन के दो गोल से इजरायल ने अल्बानिया को 2-1 से पराजित किया। इसके बाद लीग सी के ग्रुप तीन में कजाखस्तान और बेलारूस का मैच 1-1 से बराबरी पर रहा।

विम्बल्डन की इनामी राशि बढ़ी

लंदन । ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब (एईएलटीसी) ने विम्बल्डन ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता की इनामी राशि बढ़ा दी है। इस बार एईएलटीसी ने 4.35 करोड़ पाऊंड की रिकॉर्ड इनामी राशि की घोषणा की है। यह साल 2021 के मुकाबले कहीं ज्यादा है। वहीं साल 2022 में टेनिस प्रतियोगिताओं की इनामी राशि में 11.1 फीसदी की बढ़त आई है। विम्बलडन 27 जून से 10 जुलाई के बीच होगा। टूर्नामेंट में पुरुष एवं महिला प्रतियोगिताओं के विजेताओं को इनाम में 20-20 लाख पाऊंड दिए जाएंगे। इससे पहले कोरोना संक्रमण के कारण साल 2020 में चैंपियनशिप के रद्द होने के बाद से ही खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि के बदले में कुल एक करोड़ पाऊंड का भुगतान किया गया था। इनामी राशि को साल 2021 की तुलना में 26 फीसदी और 2019 की तुलना में 48.1 फीसदी बढ़ाया गया है। वहीं पहले दौर में हिस्सा लेने वाले मुख्य ड्रॉ एकल खिलाड़ी 50,000 पाऊंड के लिए खेलेंगे। इसके साथ ही व्हीलचेयर और क्वाड व्हीलचेयर आयोजनों के लिए कुल पुरस्कार राशि में 2021 की तुलना में 19.8 फीसदी और 2019 की तुलना में 40.1 फीसदी की बढ़त देखी गई है। युगल और मिश्रित युगल पुरस्कार राशि में साल 2021 में 9.6 और 17.4 फीसदी की बढ़त आई है।

आवेश तीनों प्रारुपों में खेलने का लक्ष्य लेकर चले : गंभीर

नई दिल्ली ।

पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने तेज गेंदबाज आवेश खान की जमकर तारीफ की है। गंभीर के अनुसार आवेश को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में कोई विकेट नहीं मिला पर उसने काफी कम रन देकर विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव बनाये रखा और उन्हें खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। आवेश ने चार ओवर में 35 रन ही दिए। गंभीर के अनुसार आवेश का ध्यान केवल आईपीएल में खेलने पर ही नहीं रहना चाहिये। उसे भारतीय टीम की ओर से तीनों प्रारूपों में खेलने का लक्ष्य बनाना चाहिये। गंभीर ने कहा , इस युवा गेंदबाज के पास बहुत प्रतिभा है, उनके पास गति है इसके साथ ही कठिन ओवरों को फेंकने के लिए वह दिल और दिमाग से मजबूत है। इसलिए मैं उसे हर मैच में और बेहतर होते देखना चाहता हूं। उनके पास वह रवैया है जो एक तेज गेंदबाज के पास होना चाहिए और सबसे अहम बात यह है कि वह सीखने के लिए तैयार रहते हैं। अगर वह लगातार मेहनत करते रहे तो टी-20 में ही नहीं बल्कि तीनों ही प्रारुपों में एक बेहतरीन गेंदबाज के रुप में उभरेंगे। साथ ही कहा कि गेंदबाजी क्षमता गति के साथ आती है। यदि आपके पास गति है, तो आप तीनों ही चरणों में बढ़े हुए मनोबल से उतरते हैं। आवेश के पास दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के बचे हुए मैचों में भी बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने का अच्छा अवसर है। इससे वह चयनकर्ताओं के साथ ही टीम प्रबंधन का भी ध्यान खींच सकते हैं।

मैरीकॉम राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर

नई दिल्ली । ओलंपिक कांस्य पदक विजेता महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम घुटने में चोट लगने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर हो गयी हैं। मैरीकॉम को 48 किग्रा वर्ग के ट्रायल मुकाबले के बीच में ही घुटना मुड़ने के कारण हटना पड़ा है। उनके हटने से हरियाणा की नीतू राष्ट्रमंडल खेलों के लिए जारी ट्रायल्स के फाइनल में पहुंच गयी हैं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने इस बारे में एक बयान जारी कर कहा है कि मैरीकॉम चोटिल होने के कारण 2022 राष्ट्रमंडल खेलां के लिए जारी ट्रायल्स से हट गई हैं। मैरीकॉम बाऊट के पहले ही दौर में रिंग में गिर गई। मैरीकाम ने इसके बाद भी विरोधी मुक्केबाज नीतू से मुकाबला जारी रखने का प्रयास किया पर एक दो मुक्के के बाद ही वह रिंग में गिर पड़ीं। इसके बाद उन्हें रिंग से बाहर जाना पड़ा और रेफरी ने नीतू को विजेता घोषित कर दिया। अब नीतू का मुकाबला राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में जगह बनाने के लिए एक अन्य मुक्केबाज मंजू रानी से होगा। मैरीकॉम ने अगले महीने बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर ध्यान देने के लिए ही विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों से नाम वापस ले लिया था पर बदकिस्मती से वह ट्रॉयल में ही घायल होकर बाहर हो गयीं। मुकाबले के बाद मणिपुर की इस मुक्केबाज के घुटने पर पट्टी बांधी गई और उसे स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया।

शीर्ष पर पहुंचने भारतीय हॉकी टीम को बढ़ाना होगा कौशल : जॉन

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय हॉकी टीम के पूर्व 'हाई परफोरमेन्स' निदेशक डेविड जॉन ने कहा है कि यदि भारतीय टीम को हॉकी में फिर से शीर्ष पर पहुंचना है तो खिलाड़ियों को हवा में खेलने के अपने कौशल को बेहतर करने के साथ ही रक्षापंक्ति को भी मजबूत करना होगा जिससे विरोधी टीम के खिलाड़ी 'डी' में प्रवेश नहीं कर पायें। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने चार दशक के बाद टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उसके बाद से ही टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। जॉन ने कहा, ''अपने विरोधियों को 'ड्रिबल' करते हुए पीछे छोड़ने के प्रसास में न लगे रहें। अभी के आधुनिक समय में हॉकी 'डी' में रणनीतिक खेल और हवा में तेजी से खेलने के कौशल से जुड़ी है। राहत की बात यह है कि टीम के युवा खिलाड़ियों ने ये सभी प्रकार के कौशल आत्मसात किये हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारे खिलाड़ी तेजी से आक्रमण करने में सक्षम हैं पर वे विरोधी टीम की 'डी' में जाकर गेंद पर नियंत्रण खो देते हैं क्योंकि वे रक्षकों के बहुत करीब दौड़ते हैं। इससे दूसरी टीम को पलटवार करने का अवसर मिल जाता है जिसे भारतीय खिलाड़ी अपने प्रयास को गोल में नहीं बदल पाते।

पाक ने दूसरे एकदिवसीय में भी वेस्टइंडीज को हराया , सीरीज में 2-0 की बढ़त

लाहौर ।

कप्तान बाबर आजम की शानदार बल्लेबाजी 77 रनों के बाद स्पिनर मोहम्मद नवाज की घातक गेंदबाजी की सहायता से पाकिस्तान ने यहां दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भी मेहमान टीम वेस्टइंडीज को हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पहले एकदिवसीय में भी पाक टीम जीती थी। इस मैच में पाक कप्तान बाबर आजम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। पाक टीम ने आजम 77 और सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक के 72 रनों की बदौलत 8 विकेट पर 275 रन बनाये जिसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 32.2 ओवर में 155 रनों पर ही आउट हो गयी। इस प्रकार उसे 120 रनों से हार का सामना करना पड़ा। पाक की ओर से नवाज ने 19 रन देकर चार विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज को पहले ही ओवर में करारा झटका लगा। शाई होप 4 रन बनाकर शाहीन शाह अफरीदी का शिकार बने। इसके बाद कायल मेयर्स ने 33 और शामराह ब्रुक्स ने 42 रन बनाये पर इनके आउट होने के बाद अन्य बल्लेबाज नाकाम रहे। मेयर्स और ब्रुक्स ने दूसरे विकेट के लिए 9 ओवर में 67 रन बनाये। मेयर्स और ब्रुक्स की साझेदारी से टीम से वापसी की पर नवाज और शादाब के सामने इंडीज बल्लेबाज टिक नहीं पाये और एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। पाक की ओर से मोहम्मद वसीम ने 34 रन देकर 3 विकेट लिए जिससे वेस्टइंडीज की पारी बिखर गयी। वहीं शादाब खान ने भी 40 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि नवाज ने 4 विकेट लिए।

इससे पहले पाक की ओर से बाबर और इमाम ने दूसरे विकेट के लिए 130 रन बनाये। इन दोनों के अलावा कोई और बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। वहीं दूसरी ओर वेस्टइंडीज की ओर से अकील हुसैन ने 52 रन देकर तीन विकेट लिए। अल्जारी जोसेफ और एंडरसन फिलिप को दो-दो विकेट मिले।

ऋषभ टी20 विश्वकप में बेहद सफल रहेंगें : पोंटिंग

मुंबई । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारतीय क्रिकेट टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आगामी टी20 विश्व कप में बेहद सफल रहेंगे। पोंटिंग के अनुसार ऋषभ को तेज और उछाल' भरी पिचों पर बल्लेबाजी के दौरान लाभ मिलेगा उन्हें जरुरत के अनुसार किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है। पोंटिंग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी से जुड़े हैं जिसकी कप्तानी ऋषभ के हाथों में है। उनका मानना है कि ऋषभ शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं। पोंटिंग ने कहा, 'ऋषभ एक बेहतरीन खिलाड़ी है। एक बेहतरीन युवा खिलाड़ी जो टी20 विश्व कप में भारत के लिए फायदेमंद क्रिकेटर होगा क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई विकेटों सपाट होने के साथ ही तेज और उछाल भरे भी हैं। उसके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें लगी होंगी।' पोंटिंग के अनुसार इस खिलाड़ी को किसी भी बल्लेबाजी क्रम में भेजा जा सकता है पर मैं उसे सातवें नंबर पर चाहूंगा। पोटिंग ने कहा, 'कुछ निश्चित हालातों में जहां सात-आठ ओवर बचे हों तो मैं उसे भेजना चाहूंगा और जितना समय बचा हो देना चाहूंगा। वह इतना शानदार और इतना आक्रामक खिलाड़ी है कि मैं उसका इस्तेमाल इसी तरह करना चाहूंगा।' पोंटिंग के अनुसार पंत आईपीएल में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश थे क्योंकि टूर्नामेंट से पहले वह जिस प्रकार की बल्लेबाजी कर रहा था वैसी टूर्नामेंट में नहीं कर पाया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई से ठाणे के बीच चली थी भारत की पहली रेलगाड़ी

भारत की यातायात में जान फुक देने वाली भारतीय रेल समूचे भारत को आपस में जोड़ कर रखती है.वर्तमान में जम्मू - कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी व गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैले रेल नेटवर्क से यात्रियों को रेल यातायात की सुविधा मिल जाती है.आज सम्पूर्ण भारत में फैला रेल नेटवर्क सन 1853 में मुंबई से ठाणे के बीच मात्र 34 किलोमीटर का हुआ करता था.यु तो प्रत्येक भारतीय ने अपने जीवन में कभी न कभी रेल के सफर का लुफ्त जरूर उठाया होगा.परंतु बहुत कम ऐसे लोग है जो पहली रेल से जुड़े इतिहास व इसकी प्रग्रति को जानते होंगे.इस लेख के द्वारा आपको भारत में चलाई गई पहली रेल से जुड़े रोचक इतिहास की जानकारी देने जा रहे है.

भारत की पहली रेलगाड़ी से जुड़े रोचक व ज्ञानवर्दक तथ्य

- भारत में रेल निर्माण को लेकर सर्वप्रथम 1844 में रेल संबंधित प्रस्ताव के बारे में चर्चा की गई थी
- लार्ड डलहौजी के 1847 में भारत का गवर्नर जनरल नियुक्त होने के बाद रेल परियोजना में तेजी से काम होने लगा.
- भारत की पहली रेल 16 अप्रैल 1853 को मुंबई से ठाणे के बीच अंग्रेजो द्वारा चलाई गई थीइन दोनों स्टेशन के बीच की दुरी मात्र 34 किलोमीटर थी
- भारत में चलाई गई पहली रेल को 34 किलोमीटर की दुरी तय करने में 1 घंटा 15 मिनट का समय लगा था.
- क्या आप जानते है पहली रेल में कुल 400 यात्रियों ने सफर किया था.और इस रेल में 14 रेल डिब्बों को जोड़ा गया था.
- भारत में चलाई गई पहली रेलगाड़ी में कुल 3 इंजिन को लगाया गया था.जिनका नाम क्रमश : सिंध, मुल्तान व शाहिब था.
- पहली रेल को भांप इंजन के द्वारा चलाया गया था.
- इस रेल का निर्माण करने वाली कंपनी का नाम मध्य रेलवे की ग्रेट इंडियन पेनिनसुलर रेलवे था.
- जिस समय इस ट्रेन को चलाया गया था तब समय 3 बजकर 35 मिनट हो रहे थे.
- वर्तमान में भारतीय रेल नेटवर्क एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है व सम्पूर्ण विश्व में भारतीय रेल नेटवर्क को 4 स्थान हासिल है.

कंगारू में होती है गजब की खूबियाँ

कंगारू जिसे उछलने वाला जानवर के नाम से भी जाना जाता है.और यह ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय पशु है.यह एक स्तनधारी जीव है परंतु यह स्तनधारी जीव होकर भी उन जीवों से बेहद अलग है, क्योंकि यह अपने दो पैरों पर चलता है और चलना भी क्या यह अपने पैरों पर चलकर ना अपितु उछलकर चलता है.जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इसी गजब जानवर से संबंधित है.आज हम आपको कंगारू से जुड़े ऐसे रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद नहीं पढ़े होंगे.तो देर ना करते हुए चलिए जानते हैं कंगारु से जुड़े हैरान कर देने वाले महत्वपूर्ण तथ्य

- क्या आप जानते हैं विश्व में सर्वाधिक मात्रा में कंगारू ऑस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं.यहां पर आपको कंगारू सड़कों पर घूमते मिल जाएंगे.उदाहरण के तौर पर जिस तरह भारत की गलियों में कुत्तों की फौज घूमती है ठीक ऐसे ही ऑस्ट्रेलिया की गली गली में कंगारू घूमते है.
- क्या आप जानते हैं कंगारू एक शाकाहारी जीव होता है और यह आमतौर पर फल, घास इत्यादि खाते हैं.
- विश्व में अब तक कंगारुओं की कुल 4 प्रजातियां खोजी गई हैं. जिन्हें रेड कंगारू , अंतिलोपीन कंगारू, ईस्टर्न ग्रे और वेस्टर्न ग्रे के नाम से जाना जाता है.
- कंगारू जमीन पर उछल कर चलने वाला प्राणी है क्योंकि इसके अगले दो पैर छोटे होते हैं जिसके कारण यह जमीन पर संतुलन नहीं बना पाते और यह अपने पिछले दो पैरों पर कूद-कूद कर आगे बढ़ते हैं.
- आपको जानकर हैरानी होगी कंगारू जमीन पर चलने के साथ-साथ पानी में तैर भी सकते हैं.
- क्या आप जानते हैं कंगारू अपने सर को गुमाये बिना अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमा सकते हैं.अर्थार्थ इन्हें अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमाने के लिए सिर को घुमाने की जरूरत नहीं होती.
- क्या आप जानते हैं कंगारू का गर्भकाल बेहद छोटा होता है और यह मात्र 30 से 35 दिनों का ही होता है, परंतु इतने छोटे गर्भकाल के कारण कंगारू का बच्चा पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाता और यह अपनी मां के पेट पर बनी थैली में पहुंच जाता है और यही से यह बच्चा पूर्ण रूप से विकसित होना शुरू होता है.
- क्या आप जानते हैं कंगारुओं का एक पांचवा पैर भी होता है. उदाहरण के तौर पर कंगारुओं की पूंछ इतनी शक्तिशाली होती है कि यह सिर्फ अपनी पूंछ पर अपना सारा वजन डाल सकते हैं और यह पूछ इन के पांचवें पैर का काम करती है.
- जब यह 40 से 60 किमी की रफ्तार से जम्प करता है तो इसके पीछे पैर और पूंछ से अपना संतुलन बनाए रखता है। खड़े रहने पर उसकी पूंछ ही उसका सहारा होती है.
- नर कंगारू को बूम, मादा कंगारू को डो और कंगारू के बच्चे को जॉय कहा जाता है.
- क्या आप जानते है इनकी आंखें बहुत तेज होती हैं परंतु ये सिर्फ चलती-फिरती वस्तुओं को ही देख पाते हैं.

आजकल युवाओं में एनिमे का बड़ा क्रेज है। स्कूल-कॉलेजों में बच्चे झुंड बनाकर बस इसी के बारे में चर्चा करते रहते हैं। जो नई एनिमे सबसे पहले देखकर आता है, उसे बाकियों द्वारा 'कूल' समझा जाता है। पिछले कुछ वर्षों में एनिमे ने वैश्विक स्तर पर प्रसिद्धि प्राप्त की है। दिसंबर 2021 में जारी की गई एक रिपोर्ट की माने तो पूरी दुनिया में करीब 50 करोड़ लोग एनिमे देखना पसंद करते है। तो आखिर ये एनिमे है क्या? और इसकी इतनी लोकप्रियता का राज क्या है?

एनिमे क्या है?

'एनिमे' शब्द जापान से प्रचलित हुआ है - जिसका मतलब है एनीमेशन। अब आप ये सोचेंगे कि भला युवाओं को कार्टूनों की दुनिया से क्या लेना-देना? लेकिन, इन्हीं कार्टूनों ने युवाओं की मानसिकता पर ऐसा प्रभाव डाला है कि अगर उनके सामने एनिमे को कोई कार्टून कह दे, तो वे बिफर जाते हैं। क्यों कि उनके अनुसार एनिमे, कार्टून सीरीज से अलग है। ये सीरीज अक्सर जापान के लेखकों द्वारा लिखे गए 'मांगा' (लघु उपन्यास) पर आधारित होती है। यूं तो जापानीज एनीमेशन 1920 के दशक से प्रसारित होता आ रहा है, लेकिन कुछ सालों पहले से एनिमे की एक नई श्रेणी प्रचलित हुई है, जिसे 'शोनेन' कहा जाता है। इस तरह के एनिमे सीरीज मुख्य रूप से युवा दर्शकों की रूचि को केंद्र में रखकर बनाए जाते हैं। वेब सीरीज की तरह इनके भी सीजन्स और एपिसोड्स होते हैं, जिन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से देखा जा सकता है। अटैक ऑन टाइटन, फुल मेन्टल अलकेमिस्ट, वन पीस, नारुटो, डेथ नोट, जुजुत्सु काइसन, वन पंच मैन आदि प्रसिद्ध एनिमे की लिस्ट में गिने जाते हैं।

एनिमे की लोकप्रियता का रहस्य क्या है?

अकेले जापान में ही एनिमे का सालाना कारोबार 19 बिलियन डॉलर (1900 करोड़) का है। इसकी लोकप्रियता के कारण कई सारे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ऐसे भी हैं, जहां पर केवल एनिमे ही उपलब्ध है। 'नारूटो' नामक एनिमे सीरीज के सभी सीजन्स मिलाकर 822 एपिसोड्स हैं ,जिन्हें कई युवाओं द्वारा बिंज वॉचिंग करके कुछ ही महीनों के भीतर देखा जा चुका है। एनिमे सीरीज और किरदारों से जुड़े प्रोडक्ट जैसे टी-शर्ट्स, मास्क्स, स्टिकर्स आदि बेचने वाली कंपनियां भी जमकर मुनाफा कमा रही है। नियमित रूप से एनिमे देखने वालों के लिए अब ये मनोरंजन का प्राथमिक साधन बन गया है। आइए जानते हैं एनिमे की इतनी लोकप्रियता के मुख्य कारण क्या है.-

दुनियाभर के युवाओं के बीच लोकप्रिय एनिमे की सफलता का रहस्य क्या है

विषयों की विविधता

एनिमे की शैलियों की विस्तृत श्रृंखला इनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण है। एनिमे में हर व्यक्ति अपने हिसाब की शैली का आनंद ले सकता है। रोमांस, कॉमेडी, एक्शन, एडवेंचर, मिस्ट्री, सस्पेंस और हॉरर आदि एनीमे प्लॉट्स द्वारा खोजी गई कई शैलियों में से कुछ हैं। तो आप एक अपनी पसंद को ध्यान में रखकर कोई भी दिलचस्प क्षेत्र से शुरू कर सकते हैं। एनिमे सीरीज की कहानी इस तरह से बनाई जाती है कि हर उम्र के दर्शकों को मनोरंजन प्रदान किया जा सके। कहा जा सकता है की एनिमे बॉलीवुड और हॉलीवुड की तरह ही एक इंडस्ट्री है, जिसमें हर तरह के विषयों पर कंटेंट बनाया और परोसा जाता है।

बेहद प्रभावशाली एनीमेशन और किसी को पल भर में मोहित कर लेना ही दृश्य तत्व का मुख्य दायित्व होता है, जिसे एनिमे क्रिएटर्स द्वारा बड़े प्रभावी ढंग से किया जाता है। हर चीज एनिमेटेड होने की वजह से युवाओं को जोड़े रखना चुनौतीपूर्ण कार्य है। किन्तु,कल्पनाशील अभिव्यक्ति और रचनात्मकता के सहारे हर कहानी को बहुत ही खूबसूरती के साथ प्रदर्शित किया जाता है। रंग और छायांकन के उपयोग से लेकर विस्तृत विवरण और स्पष्टता तक, सब कुछ इतनी सावधानी और सोच-समझकर बनाया जाता है, जिससे आपको ऐसा अनुभव हो कि आप उसी कहानी के एक किरदार है। कई सारे हाई क्वालिटी ग्राफिक्स का इस्तेमाल करके एक्शन, हॉरर सीन्स को इतना बेहतरीन बना दिया जाता है कि दर्शक अपनी जगह से हिल भी न पाए। इस तरह एनिमे देखने वाले लोग कई एपिसोड्स को एक ही बार में देख लिया करते हैं।

असल जिन्दगी से जुड़े किरदार

वैसे तो एनिमे कार्टून सीरीज ही हैं, लेकिन इसके किरदार रियल लाइफ से काफी हद तक जुड़े होते हैं। ये सिर्फ हंसी-खुशी तक सीमित न रहकर डिप्रेशन, मानसिक दुर्बलता, जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने में कठिनाई आदि कई विषयों पर भी खुलकर बात करते हैं। एनिमे के विषयों और किरदारों को युवा पीढ़ी अपने वास्तविक जीवन से जोड़कर देखने लगी है। एनिमे की सबसे अच्छी बात ये होती है कि इसकी कहानियों में किरदारों को बहुत अच्छी तरह से बना जाता है, जिन्हें देखते देखते दर्शकों को उनसे जुड़ाव महसूस होने लगता है। यही जुड़ाव उन्हें कहानी के अंत तक जाने के लिए प्रेरित भी करता है। कहानी के साथ साथ पात्रों के चरित्र को प्रभावशाली संवादों और विजुअल्स के साथ बखूबी प्रदर्शित किया जाता है। साथ ही हर एनिमे अपने भीतर किसी न किसी जीवन मूल्य को छुपाए होता है। इसमें किरदारों के व्यक्तित्व की उन खूबियों को भी दिखाया जाता है, जिसे टीवी या ओटीटी सीरीज के निर्माता नजरअंदाज कर देते हैं। एनिमे किरदारों के ये सभी गुण मिलकर उन्हें और अधिक वास्तविक रूप प्रदान करते हैं।

विजुअल इफेक्ट्स में चार चांद लगाने का काम एनिमे का पार्श्व संगीत करता है, जो दर्शकों को कहानी और किरदारों से जोड़े रखता है। यह काफी रहस्यमय और लगभग चमत्कारी है कि किस तरह एनिमे का संगीत किसी चीज को भावनाओं की एक शक्तिशाली प्रतिध्वनि में बदल सकता है।

बदलाव को स्वीकारने वाला समुदाय

एनिमे सीरीज की सबसे खास बात ये है कि इसके निर्माताओं के ग्रुप की सोच बहुत ही प्रगतिशील है, जो मनोरंजन के क्षेत्र में दुनियाभर में हो रहे बदलावों को ध्यान में रखकर कंटेंट का निर्माण करता है। यह देखते हुए कि एनिमे रचनात्मकता को संचालित करता है, इसका ग्रुप भी जबरदस्त प्रतिभा और क्षमता से भरा हुआ है। एनीमे सम्मेलन कुशल कलाकारों, संगीतकारों, लेखकों, पोशाक डिजाइनरों, फोटोग्राफरों, वीडियोग्राफरों और अन्य रचनाकारों के लिए महान मंच प्रदान करते हैं जो एनिमे के माध्यम से अपने काम को प्रस्तुत करने की दिशा में कार्य करना चाहते हैं। ग्रुप ने एक यूट्यूब निर्माताओं उप-श्रेणी का उदय भी किया है, जो एनीमे से जुड़ा कंटेंट बनाते हैं।

एनिमे सीरीज की सबसे अच्छी बात ये है की इसमें दर्शक को हर बार एक नया एहसास होता है। भारत के साथ साथ विश्व भर में एनिमे के भविष्य को लेकर अपार संभावनाएं है। एनिमे एक ऐसे विकल्प के रूप में उभर रहा है, जो हो सकता है आगे चलकर दुनियाभर के युवाओं के लिए मनोरंजन का प्राथमिक साधन बनने का माद्दा रखता है।

लंगड़ा भूत

जिस दिन से नूरांश का सातवीं क्लास का रिजल्ट आया था, उसी दिन से उसने पापा से दादी के गांव ले चलने की रट लगा रखी थी। कहता था, 'इस साल मुझे दादी के गांव ही जाना है बस। हिल स्टेशन पर घूमने भी नहीं जाना।' उसका गांव जाने को लेकर उत्साह देखते हुए उसके मम्मी-पापा ने उससे प्रॉमिस किया कि, 'ठीक है, इन गर्मियों की छुटियों में दादी के पास गांव चलेंगे।' मम्मी-पापा से प्रॉमिस लेने के बाद ही नूरांश निश्चिंत। दस दिन बीत जाने के बाद आखिर दादी के घर जाने का समय भी आ गया। नूरांश बहुत खुश था, क्योंकि उसके पापा ने गर्मी की छुट्टियों में दादी और चाचा के पास गांव जाने के लिए टिकट बुक करवा लिए थे। अगले दिन उन्हें गांव जाना था। अगले दिन नूरांश गांव पहुंच गया। वह बहुत खुश था । उसकी दादी, चाचा, चाची, उसके चचेरे भाई-बहन रेयांश और गुड्डन सब उसे प्यार करते थे और उसके आने से बहुत खुश थे। एक दिन दोपहर का खाना खाने के बाद जब सब सोए हुए थे तो नूरांश को गर्मी की वजह से नींद नहीं आ रही थी। वह चुपचाप अपने कमरे से बाहर दादी के पास बरामदे में आ गया और बोला, 'दादी, मुझे नींद नहीं आ रही है। मेरा मन खेतों की ठंडी हवा में जाने का कर रहा है। क्या मैं खेतों में जाकर आ सकता हूं?' दादी बोलीं, 'बेटा ! खेत तो यहां से काफी दूर हैं, तुम अकेले कैसे जाओगे? फिर वापस आते-आते अंधेरा भी हो जाएगा और रास्ते में पीपल का पेड़ भी पड़ेगा। लोग कहते हैं कि उस पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। तुम आज रहने दो, कल चाचा के साथ मोटरसाइकिल से खेतों की तरफ चले जाना।' यह सुनकर नूरांश बोला, 'दादी, मैं पैदल थोड़े ही जाऊंगा। चाचा की साइकिल पर जाऊंगा, मुझे साइकिल चलानी आती है और शाम होने से पहले ही लौट आऊंगा। फिर किस बात का डर? तभी उसके चाचा भी अंदर से उठकर आ गए और कहने लगे, 'मां, उसका मन है तो जाने दो। अब वो आठवीं क्लास में पढ़ता है, छोटा बच्चा नहीं है। जाओ नूरांश, ध्यान से साइकिल चलाना। इसका स्टैंड थोड़ा ढीला है, पर साइकिल ठीक चलती है। और हां, जल्दी आ जाना नहीं तो तुम्हारी दादी यूं ही घबराती रहेंगी।' 'ठीक है चाचू , मैं जल्दी आ जाऊंगा। थैंक्यू दादी, थैंक्यू चाचू। दादी, मम्मी-पापा जब उठ जाएं तो उन्हें भी बता देना।' इतना कहकर नूरांश साइकिल लेकर खेतों की ओर चला गया। हरे-हरे लहलहाते खेतों को देखकर उसे बहुत अच्छा लगा। मिट्टी की सौंधी-सौंधी खुशबू के बीच टहलते हुए उसे बहुत मजा आ रहा था। कुछ आगे जाने पर उसने खेतो में मोर नाचते हुए भी देखे। वह उन्हें एकटक देखता ही रह गया। तभी उसकी नजर एक पेड़ के नीचे बिछी हुई चारपाई पर पड़ी। उसने सोचा,'अभी तो शाम होने में बहुत समय है, चलो कुछ देर इसी चारपाई पर लेटता हूं।' ऐसा सोचते-सोचते वह चारपाई पर लेट गया। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। इस बीच उसकी आंख कब लग गई, उसे पता ही नहीं चला। जब उसकी आंख खुली तो अंधेरा हो चुका था।

यह देखकर वह खुद को कोसने लगा कि वह सोया ही क्यों! घर पर सब चिंता कर रहे होंगे, यह ख्याल आते ही वह फटाफट उठा और जल्दी-जल्दी साइकिल चलाने लगा। जल्दी घर पहुंचने के लिए वह तेजी से साइकिल चला रहा था। जैसे ही वह पीपल के पेड़ के पास पहुंचा, अचानक अंधेरे में साइकिल का अगला पहिया एक पत्थर पर चढ़ गया और वह गिर पड़ा। तभी दादी के शब्द उसके कानों में गूंजने लगे कि पीपल के पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। उसने फटाफट अपनी साइकिल उठाई और घर की तरफ जाने लगा। पर यह क्या? उसके पीछे खरड़-खरड़ और छन-छन जैसी आवाजें आने लगीं। उसने सोचा कि हो न हो लंगड़ा भूत ही उसके पीछे आ रहा है। यह बात मन में आते ही उसने साइकिल और तेज चलानी शुरू कर दी। पर यह क्या? वह जितनी तेजी से साइकिल चलाता, छन-छन की आवाज भी उतनी ही तेजी से आने लगती, जैसे कोई उसके पीछे आ रहा हो। डर से उसके हाथ कांपने लगे और वह पूरी तरह पसीने से भीग गया। तभी उसे गांव की लाइटें दिखाई देने लगीं। उसने हिम्मत नहीं हारी और किसी तरह साइकिल चलाता रहा। आवाजें भी लगातार आती रहीं। कुछ देर बाद वह घर पहुंच गया।

घर पहुंचते ही उसने साइकिल एक तरफ फेंकी और चाचा को देखते ही उनसे लिपट गया। बोला,'चाचू, मुझे बचा लो, मेरे पीछे पीपल के पेड़ वाला लंगड़ा भूत आ रहा है। वह मुझे खा जाएगा।' चाचा और पूरा परिवार उसकी ऐसी हालत देखकर हैरान हो गए। सबने उसे पानी पिलाया फिर उसका डर भगाने की कोशिश करने लगे। चाचा बोले,'कोई भूत-वूत नहीं होता है। यह तो हमारे अंदर का डर होता है बस और कुछ नहीं। अच्छा, अगर भूत है तो बताओ वह अंदर क्यों नहीं आया? मुझे पूरी बात बताओ कि आखिर हुआ क्या था?' अब तक नूरांश का डर भी काफी कम हो चुका था। उसने चाचा को बताया कि कैसे उसे खेत में नींद आ जाने पर अंधेरा हो गया था और घर जल्दी पहुंचने के लिए वह साइकिल तेज चलाने लगा। इसके बाद पीपल के पेड़ के पास गिरने और लंगड़े भूत के पीछा करने की आवाजें आने की बात भी उसने चाचा को बताई। इतना सुनते ही चाचा दो मिनट के लिए बाहर गए और साइकिल देखते ही सारा माजरा समझ गए। उन्होंने नूरांश को अपने पास बुलाया और पूछा,'तुमने अपने स्कूल में पेड़ों के बारे में जरूर पढ़ा होगा। अब जरा बताओ कि पेड़ हमारे दोस्त हैं या दुश्मन?' 'चाचू, दोस्त हैं।' चाचा ने फिर सवाल किया, 'फिर तुमने यह कैसे सोच लिया कि पीपल के पेड़ पर भूत रहता है?' नूरांश बोला, 'वो दादी ने कहा था न, इसलिए मुझे ऐसा लगा।' चाचा ने समझाया, 'बेटा, आपकी दादी गांव में रहती हैं और सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास कर लेती हैं, क्योंकि उनके समय में आजकल की तरह शिक्षा के साधन नहीं थे। गांव में स्कूल नहीं होते थे, पर अब ऐसा नहीं है। सब शिक्षित होते जा रहे हैं। शिक्षा से ही हमारा अज्ञान दूर होता है और हम तरक्की करते हैं। जरा सोचो कि जो पेड़ हमें छाया देते हैं, फल-फूल, लकड़ी आदि देते हैं, बंदर और गिलहरी आदि जीवों को शरण देते हैं, घनी छाया देते हैं, धरती की शोभा बढाते हैं, ऐसे दोस्त क्या हमें भूत देंगे?' 'नहीं चाचू, आई एम सॉरी।' 'आओ, अब तुम्हें तुम्हारे लंगड़े भूत से भी मिलवाते हैं। बाहर आओ।' चाचा नूरांश को साइकिल के पास लेकर गए और उससे पूछा,'जब तुम खेतो में साइकिल लेकर जा रहे थे तो याद है मैंने तुमसे कुछ कहा था।' 'आपने कहा था कि साइकिल का स्टैंड थोड़ा ढीला है, ध्यान से चलाना।'

'हां, बिल्कुल ठीक। तो यह देखो! हुआ यह कि जब तुमसे साइकिल गिरी तो उसका स्टैंड ढीला होने की वजह से एक साइड से निकल गया और जमीन से टकराने लगा। तुम साइकिल चला रहे थे तो वह जमीन से बार-बार टकराकर आवाज कर रहा होगा। तुमने साइकिल चलाने की स्पीड बढ़ाई होगी तो जरूर उसकी आवाज और तेज हो गई होगी। और तुम समझते रहे कि कोई लंगड़ा भूत तुम्हारा पीछा कर रहा है। अब तो सारा माजरा समझ गए न।' 'सब समझ में आ गया चाचू। अब मैं हर काम सोच-समझकर करूंगा और अंधविश्वास से हमेशा दूर रहूंगा। दादी आप भी कभी सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास मत कीजिएगा और अगर आप ऐसा करेंगी तो लंगड़े भूत को आपके पीछे लगा दूंगा।' नूरांश के ऐसा कहते ही सब खिलखिलाकर हंस दिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

काठमांडू में भूकंप के झटके

काठमांडू: नेपाल की राजधानी काठमांडू में शुक्रवार देर रात 4.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे कई लोग नींद से जगकर घर

से बाहर निकलने पर विवश हो गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि भूकंप के झटके शनिवार देर रात दो बजकर 36 मिनट पर महसूस किए गए और इसका केंद्र भक्तपुर जिले में था।

यह स्थान काठमांडू से 15 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। अधिकारियों के मुताबिक, काठमांडू घाटी और आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, लेकिन इस दौरान जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

जर्मनी- स्कूल में महिला और 7 साल की बच्ची पर चाकू से हमला, हमलावर फरार

बर्लिन। दक्षिण-पश्चिमी जर्मनी के एक प्रारंभिक स्कूल में एक हमलावर ने चाकू से हमला कर एक महिला और सात वर्षीय एक बच्ची को घायल कर दिया। पुलिस ने इस घटना की पुष्टि करते हुए

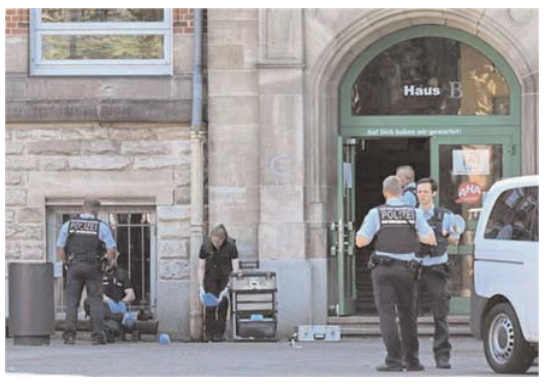

कहा कि वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर भागने में सफल रहा। पुलिस ने बताया कि सुबह आठ बजे के करीब हुए इस हमले में घायल बच्ची और महिला (61 वर्षीय पर्यवेक्षक) को अस्पताल ले जाया गया। दोनों की जान को कोई खतरा नहीं है। स्टटगार्ट के पास एस्लिंगेन स्थित स्कूल एक क्षेत्रीय छुट्टी के लिए बंद कर दिया गया था, लेकिन छुट्टी के बावजूद कुछ बच्चों की वहां देखभाल की जा रही थी। पुलिस ने एक बयान में कहा कि अधिकारी एक संदिग्ध की तलाश कर रहे हैं, जिसकी उम्र 30-35 साल बताई जा रही है। जांचकर्ता हमले के आसपास की परिस्थितियों के बारे में भी जानकारी जुटा रहे हैं।

संकट में श्रीलंका की ईंधन आपूर्ति, इस महीने पहुंचेगी भारतीय क्रेडिट लाइन के तहत अंतिम शिपमेंट

कोलंबो। भारतीय लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत अंतिम ईंधन शिपमेंट इस महीने श्रीलंका पहुंचेगा। लेकिन भविष्य की आपूर्ति के निर्वाह पर फिलहाल कोई संकेत नहीं है जो भारत की सहायता पर निर्भर है। श्रीलंका में ईंधन की कमी इस कदर है कि लोगों को महीनों तक ईंधन और रसोई गैस खरीदने के लिए दुकानों के बाहर घंटों इंतजार करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वहीं संकट को देखते हुए श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने नागरिकों से ईंधन और गैस का संयम से उपयोग करने का आग्रह किया है। श्रीलंकाई संसद में बोलते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की मुख्य प्राथमिकता आर्थिक स्थिरता थी और यह कड़ी मेहनत और समर्पण के माध्यम से बुद्धिमानी से सोची गई परियोजनाओं को लागू करके ही प्राप्त किया जा सकता है। बता दें कि श्रीलंका में आर्थिक संकट के कारण भोजन, दवा, रसोई गैस और अन्य ईंधन, टॉयलेट पेपर और यहां तक कि माचिस जैसी आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी हो गई है।

हम 16 जून को ILC (इंडियन लाइन ऑफ क्रेडिट) के तहत आखिरी डीजल शिपमेंट और 22 जून को आखिरी पेट्रोल शिपमेंट की उम्मीद कर रहे हैं। श्रीलंका की ईंधन खरीद पूरी तरह से आईएलसी पर निर्भर है। शुरू में 500 मिलियन अमरीकी डालर की क्रेडिट लाइन जिसे बाद में 200 मिलियन अमरीकी डालर के साथ पूरा किया गया था।

सीएए हमारे लिए 'व्यर्थ', बांग्लादेश में हिंदू पहले से ज्यादा सुरक्षित: बांग्लादेशी नेता

ढाका। बांग्लादेश में रह रहा हिंदू समुदाय भारत में लाए गए नागरिकता संशोधन कानून को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित नहीं है और उसका मानना है कि यहां उसके समक्ष मौजूद चुनौतियों के समाधान में यह कानून अधिक मददगार नहीं है और अपनी मुश्किलों से उसे खुद ही निपटना होगा। यहां हिंदू समुदाय के प्रमुख नेता और महानगर सर्वजन पूजा समिति के अध्यक्ष मोनिंदर कुमार नाथ ने ने दावा किया कि शेख हसीना के शासन में बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा सुरक्षित हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि इस संबंध में और अधिक कदम उठाए जाने की जरूरत है।

गौरतलब है कि पिछले साल ब्राह्मणबारिया और कुमिल्ला में सांप्रदायिक घटनाओं की शुरुआत हुई थी और ये चटगांव तक फैल गई थी। इस दौरान दुर्गा पूजा पंडालों को निशाना बनाया गया था। हालांकि शेख हसीना सरकार द्वारा उठाए गए त्वरित कदमों और कार्रवाई के कारण स्थिति में सुधार देखा जा रहा है। नाथ ने बताया कि सरकार के उपायों के चलते पिछले 12 सालों में देश में दुर्गा पूजा पंडालों की संख्या 15 हजार से बढ़कर 30 हजार के करीब हो गई है। महानगर सर्वजन पूजा समिति हिंदुओं के धार्मिक मामलों का एक केंद्रीय निकाय है जो बांग्लादेश में समुदाय के सदस्यों को दुर्गा पूजा उत्सव की इजाजत प्रदान करता है।

नाथ ने कहा कि पिछले कुछ सालों में शेख हसीना सरकार ने अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मामलों में बेहद शानदार कदम उठाए हैं, जिसकी वजह से यहां

होने वाली घटनाओं पर लगाम लगाई जा सकी है। उन्होंने कहा कि इसका समुदाय के सरकारी संस्थानों में प्रतिनिधित्व पर असर बहुत कुछ किया जाना बाकी है। एक अल्पसंख्यक मंत्री और अल्पसंख्यक आयोग की हमारी मांग को अभी पूरा किया जाना है। हुआ है और पहले के मुकाबले अब अफसरशाही में हमारी तादाद बढ़ी है। उन्होंने यह भी कहा 'अभी अपने इस अधिकार के लिए हम आवाज उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इसके जरिये हम अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा कर संकेंगे। नाथ ने कहा कि उनके एजेंडे में अलग अल्पसंख्यक मंत्रालय और अल्पसंख्यक आयोग है और उनका पूरा प्रयास है कि अगले साल होने वाले चुनाव के बाद उनके समुदाय को यह मंत्रालय/आयोग मिल जाए। गौरतलब है कि हसीना सरकार में धार्मिक मामलों का मंत्रालय है, लेकिन अल्पसंख्यक मामलों का अलग मंत्रालय नहीं है। धार्मिक मामलों का मंत्रालय देश में मस्जिद, मंदिर, चर्च, पैगोड़ा और गुरुद्वारों की देखभाल करता है। भारत सरकार द्वारा लाए गए CAA कानून को लेकर नाथ ने कहा, ''हमें इसकी जरूरत नहीं है, यह हमारा देश है और हम यहीं पर रहकर अपने अधिकारों को हासिल करेंगे। गौरतलब है कि भारत सरकार 2019 में नागरिकता संशोधन कानून लेकर आई थी और इसका उद्देश्य बांग्लाादेश, पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान में अत्याचारों का शिकार अल्पसंख्यकों को भारत की नागरिकता प्रदान करना है। नाथ ने कहा कि शेख हसीना सरकार बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के हितों के लिए कार्य कर रही है। सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि ढाका में स्थित ढाकेश्वरी मंदिर को उसकी पूर्व में कब्जाई गई जमीन वापस मिल सकी है। उन्होंने कहा कि मंदिर को करीब 1.5 एकड़ जमीन उसके विस्तार के लिए मिली है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री की चेतावनी- भारत के साथ सीमाओं पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा चीन

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड जेम्स ऑस्टिन ने शनिवार को चेतावनी देते हुए कहा कि चीन भारत के साथ सटी सीमाओं पर लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका अपने मित्रों के साथ खड़ा है, क्योंकि वे बीजिंग के ''जबरन युद्ध की स्थिति पैदा करने' और क्षेत्रीय दावों को लेकर ''आक्रामक रुख' अपनाने के बीच अपने अधिकारों की रक्षा कर रहे हैं। सिंगापुर में शांगरी-ला संवाद में ऑस्टिन ने कहा कि चीन दक्षिण चीन सागर में अपने क्षेत्रीय दावों को लेकर आक्रामक रुख अपना रहा है और अपनी अवैध समुद्री योजनाएं को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, ''आगे पश्चिम की ओर हम बीजिंग को भारत के साथ सटी सीमाओं पर अपनी स्थिति को

मजबूत करते हुए देख रहे हैं। भारत और चीन की सेनाओं के बीच पांच मई 2020 से पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध बना हुआ है, जब पैंगोंग झील इलाके में दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। चीन भारत से सटे सीमावर्ती इलाकों में सड़कों और रिहायशी इलाकों जैसे अन्य बुनियादी ढांचों का निर्माण कर रहा है। चीन का हिंद-प्रशांत क्षेत्र में वियतनाम और जापान जैसे विभिन्न देशों के साथ भी सीमा विवाद है। ऑस्टिन ने आश्वस्त किया, ''हम अपनी परस्पर रक्षा प्रतिबद्धताओं को लेकर अटल हैं।'' उनकी ये टिप्पणियां तब आई हैं, जब अमेरिका के एक शीर्ष जनरल ने कहा है कि चीन द्वारा लद्दाख में भारत के साथ सटी सीमा के पास बनाए जा रहे कुछ रक्षा ढांचे ''चिंताजनक'' हैं। उन्होंने क्षेत्र में चीनी गतिविधियों को ''आंखें खोलने'' वाली बताया। ऑस्टिन ने कहा कि अमेरिका भविष्य में किसी भी आक्रामकता से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा, ''हम अपने मित्रों के साथ भी खड़े हैं, जो चीन के जबरन युद्ध की स्थिति पैदा करने और क्षेत्रीय दावों को लेकर आक्रामक रुख अपनाने के बीच अपने अधिकारों की रक्षा कर रहे हैं।''

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ का निधन

दुबई । पाकिस्तान के पूर्व परवेज मुशर्रफ का दुबई में निधन हो गया। परवेज की उम्र 78 साल थी और वो लंबे वक्त से बीमार चल रहे थे। उन्हें कैंसर था। मुशर्रफ 2001 से 2008 तक पाकिस्तान के राष्ट्रपति रहे। इसके पहले वो आर्मी चीफ भी रहे। करगिल की जंग के लिए मुशर्रफ को ही सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाता है। उन्होंने नवाज शरीफ का तख्तापलट किया था। हालांकि अभी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। इससे पहले भी मुशर्रफ के बारे में निधन की खबरें आ चुकी हैं। वहीं, एएमपीएल ने एक बयान जारी कर कहा कि पूर्व राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ पूरी तरह स्वस्थ हैं और घर पर हैं। उनका घर पर इलाज चल रहा है। मौत की खबर सही नहीं है।

दुनिया का पहला देश बना कनाडा जहां हर सिगरेट पर लिखी जाएगी चेतावनी

टोरंटो: कनाडा दुनिया का पहला ऐसा देश बनने जा रहा है, जहां प्रत्येक सिगरेट पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी लिखना अनिवार्य होगा। इससे पहले, देश में तंबाकू उत्पादों की पैकिंग पर चेतावनी के रूप में एक ग्राफिक चित्र लगाने की नीति लागू की गई थी। दो दशक पहले शुरू की गई इस नीति को दुनियाभर में अपनाया गया है। मानसिक स्वास्थ्य मंत्री कैरोलिन बेनेट ने शुक्रवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा, 'हमें उन चिंताओं को दूर करना है कि इन संदेशों का प्रभाव कम हो गया है। हर तंबाकू उत्पाद पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी लिखने से सुनिश्चित किया जा सकेगा कि यह जरूरी संदेश प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे, जिसमें वे युवा भी शामिल हैं, जो एक बार में एक

सिगरेट लेते हैं और पैकेट पर लिखी चेतावनी नहीं देख पाते।' इस प्रस्ताव पर शनिवार से चर्चा होगी और सरकार को लगता है कि 2023 के अंत तक यह नियम लागू किया जा सकेगा। बेनेट ने बताया कि प्रत्येक सिगरेट पर 'हर कश में जहर है' संदेश लिखने का प्रस्ताव है। हालांकि, इसमें बदलाव भी किया जा सकता है।

अमेरिका वरिष्ठ नागरिकों को ठगने का आरोपी भारतीय नागरिक गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिका के कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने वर्जीनिया में एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है जिस पर देशभर में वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाकर एक घोटाले में शामिल होने का आरोप है। इस सिलसिले में अनिरुद्ध कालकोटे (24) को ह्यूस्टन में एक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। कालकोटे पर साजिश रचने और धोखाधड़ी का आरोप है। इस मामले में एक अन्य आरोपी एम. डी. आजाद (25) है जो ह्यूस्टन में गैरकानूनी ढंग से रह रहा था और उसे 2020 में पहली बार आरोपित किया गया था। इन दोनों पर आरोप है कि इन्होंने कई बार लोगों को परेशान किया और पैसा नहीं देने

की सूरत में हमला करने की धमकी दी। फर्जी योजना चलाने के इस घोटाले में पहले ही तीन आरोपियों- सुमित कुमार सिंह (24), हिमांशु कुमार (24) और एम. डी. हसीब (26) पर मुकदमा चल रहा है और उन्हें सजा सुनाई जानी है। ये सभी भारतीय नागरिक हैं। न्याय मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार इस गिरोह ने कई प्रकार की सेवाएं देने के बहाने गलत तरकीब आजमा कर लोगों से पैसे ऐंठे।

पैगंबर पर टिप्पणी को लेकर भारत में कार्रवाई के लिए बांग्लादेश सरकार पर भी बढ़ा दबाव

ढाका। भारत में पैंगबर मोहम्मद पर टिप्पणी को लेकर विरोध प्रदर्शनों और सियासी घमासान के बीच बांग्लादेश में भी सरकार पर कार्रवाई को लेकर दबाव बढ़ गया है। सत्तारूढ़ अवामी लीग के एक नेता ने स्वीकार किया कि इस मुद्दे पर देश की सरकार पर 'कार्रवाई' करने का दबाव है। उन्होंने कहा कि भारत में होने वाली घटनाओं का असर बांग्लादेश में भी होता है, क्योंकि यहां का बहुसंख्यक समाज मुस्लिम है और देश में मौजूद विघटनकारी ताकतें ऐसी स्थिति का लाभ उठाकर समाज में अव्यवस्था फैलाने का प्रयास करती हैं।

सत्तारूढ बांग्लादेश अवामी लीग की धार्मिक मामलों की उप समिति के चेयरमैन और परामर्श समिति के सदस्य खांडाकार गौलम मौला नक्शबंदी ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साजिश और स्थानीय स्तर की ओछी राजनीति के कारण कई बार मुद्दे उभरते हैं, लेकिन इन पर तत्काल कदम उठाने की जरूरत है और कार्रवाई में देरी से स्थिति खराब होती है। ' ढाका पहुंचे भारतीय पत्रकारों के एक दल से बातचीत में नक्शबंदी ने कहा, 'भारत में पैगंबर के खिलाफ टिप्पणी मामले में उलेमा, सूफी और नागरिक संगठनों की ओर से बांग्लादेश सरकार पर कार्रवाई करने को लेकर दबाव है, लेकिन प्रधानमंत्री

शेख हसीना अनुभवी हैं और वह जानती हैं कि इस स्थिति से कैसे निपटना है।'

नक्शबंदी ने कहा कि बांग्लादेश के भारत के साथ बेहतर रिश्ते हैं और भारत एक ऐसा मित्र देश है जो संकट की घड़ी में मददगार रहा है। उन्होंने कहा कि पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी का मामला प्रथम दृष्ट्या भारत का आंतरिक मामला है, लेकिन अगर मानवीय स्तर पर बात करें तो 'इस तरह की घटनायें यहां (बांग्लादेश में) लोगों को प्रभावित करती हैं।' नक्शबंदी ने कहा कि इस तरह के बयानों से परहेज किया जाना चाहिए और ऐसे बयानों से किसी की भी भावनाएं आहत हो सकती हैं। पैगंबर पर टिप्पणी मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा दिल्ली इकाई के मीडिया प्रमुख नवीन जिंदल के निष्कासन और पार्टी प्रवक्ता नुपुर शर्मा के निलंबन तथा उन पर प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद नक्शबंदी ने कहा कि ''यह देर से उठाया गया कदम है'।

उन्होंने दावा किया कि अरब देशों द्वारा विरोध जताये जाने के बाद भाजपा ने यह कदम उठाया। इस मामले में अरब समेत कई मुस्लिम देशों के विरोध के स्वरों के बीच बांग्लादेश सरकार के रुख को लेकर नक्शबंदी ने कहा, 'सरकार स्थिति का आकलन कर रही है।' धार्मिक मामलों की समिति क्या इस मामले में हसीना सरकार को कोई सलाह देगी, इस पर नक्शबंदी ने कहा, 'हमने इस बारे में धार्मिक मंत्री से चर्चा की है और इस बारे में आगे और विचार-विमर्श कर हम बयान जारी करेंगे।' उन्होंने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच बेहद प्रगाढ़ रिश्ते हैं और यह बात भी सही है कि कई अंतरराष्ट्रीय ताकतें भारत-बांग्लादेश के बीच रिश्तों को खराब करने का प्रयास कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शेख हसीना धार्मिक कट्टरपंथियों के खिलाफ कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति रखती हैं और यही कारण है कि उन्होंने सांप्रदायिक सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए ऐसे मामलों में तेजी से काम किया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले जारी रहने के सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसे बहुत थोड़े मामले हैं। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा सरकार धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखती है और देश के अल्पसंख्यकों के लिए उसने 100 फीसदी सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में काम किया है। नक्शबंदी ने दावा किया कि बांग्लादेश उन मामलों पर तुरंत कार्रवाई करता है जहां धार्मिक संवेदनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'जब कुमिल्ला और पीरगंज में सांप्रदायिक हिंसा हुई तो सरकार ने तुरंत कार्रवाई की और 12 घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।'

दूसरे विश्व युद्ध के बाद ऐसा कभी नहीं हुआ, बाइडन बोले- जेलेंस्की हमारी सुनना नहीं चाहते थे

वाशिंगटन। तीन माह से ज्यादा समय से रूस व यूक्रेन के बीच जंग जारी है। इसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने तबाही का परोक्ष जिक्र करते हुए कहा कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद ऐसा कभी नहीं हुआ। बाइडन ने यह भी कहा कि जब मैंने यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की को जंग के खतरे से आगाह किया तो उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था। वह हमारी सुनना ही नहीं चाहते थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुक्रवार को वॉशिंगटन में अपनी डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा यूक्रेन की मदद के लिए चंदा जुटाने के अभियान के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि युद्धग्रस्त यूक्रेन देश के राष्ट्रपति रूस के हमले से पहले यह सुनना भी नहीं चाहते थे

कि मॉस्को उन पर हमला करने वाला है। रूस और यूक्रेन के बीच जंग से भारी तबाही हो रही है। 24 मार्च को रूस द्वारा धावा बोलने के बाद से हजारों लोग और जवान मारे जा चुके हैं। निसंदेह रूस की तुलना की यूक्रेन व्यापक विध्वंस व संहार झेल रहा है।

जो बाइडन ने यह भी कहा कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से ऐसा नहीं हुआ। शुरुआत में कई लोगों ने सोचा होगा कि मैं बढ़ा-चढ़ाकर बातें कर रहा हूं, लेकिन हमारे पास सूचनाएं व आंकड़े थे। जंग के दौरान वे (रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन) हद पार करने वाले थे, यह भी जानकारी हमें थी, लेकिन जेलेंस्की इस खतरे के बारे में कुछ नहीं सुनना चाहते थे।

जंग में रोज हो रही यूक्रेन के 200 सैनिकों की मौत

उधर, राष्ट्रपति जेलेंस्की के सलाहकार मिखाइल पोडोलियेक के अनुसार रूसी हमले में रोज हमारे 100-200 सैनिक मारे जा रहे हैं। जब तक पश्चिमी देश हमें अत्याधुनिक हथियार नहीं देंगे रूस को माकूल जवाब नहीं दे सकेंगे। यूक्रेन हथियार संपन्न रहेगा तो मौतें कम होंगी और रूस फिर चर्चा शुरू करने को तैयार हो जाएगा।

पाकिस्तान के बजट में चौतरफा महंगाई की मार, एसयूवी पर कर दोगुना किया, इमरान को कबूल नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान भारी आर्थिक बदहाली से जूझ रहा है। आवश्यक वस्तुओं के दाम पहले से आसमान चूम रहे हैं और शहबाज शरीफ सरकार द्वारा पेश नया बजट आग में घी डालेगा। बजट में एसयूवी पर कर दोगुना करने का प्रस्ताव है, जबकि पेट्रोल, मोबाइल, सिगरेट भी महंगी होगी। पूर्व पीएम इमरान खान ने करों में वृद्धि को अकल्पनीय बताया है। पाक वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल द्वारा पेश बजट में कर बढ़ाने के कई प्रस्ताव पेश किए गए हैं। पाक सरकार का कहना है कि उसने अमीरों पर टैक्स बढ़ाए हैं। 1600 सीसी या इससे ज्यादा क्षमता के इंजन की कारों, जिनमें स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल यानी एसयूवी व सेडॉन कारें भी शामिल हैं, पर कर दोगुना कर दिया गया है। इस्माइल ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए संसद में 9,502 अरब रुपये का वार्षिक बजट पेश किया। उन्होंने एलान किया कि रक्षा क्षेत्र के लिए 1,523 अरब रुपये आवंटित किए जाएंगे। यह पिछले साल की तुलना में 11 फीसदी ज्यादा है। इस साल 1,523 रुपये रक्षा क्षेत्र के लिए आवंटित किए गए हैं। यह पिछले साल के 1,370 अरब रुपये के आवंटन से 11.16 फीसदी अधिक है। शरीफ सरकार भले कहे कि उसने आम लोगों पर बोझ नहीं डाला है, लेकिन सबसिडी घटाए जाने से बिजली 20 फीसदी से ज्यादा महंगी हो जाएगी।

भाजपा ने शिवसेना का एक वोट अयोग्य घोषित कराने के लिए निर्वाचन आयोग पर दबाव बनाया : राउत

मुंबई। महाराष्ट्र से शिवसेना के संजय पवार के राज्यसभा चुनाव हारने और भाजपा के धनंजय महाडिक के विजयी होने के बाद, पार्टी नेता संजय राउत ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने शिवसेना का एक वोट अयोग्य घोषित कराने के लिए निर्वाचन आयोग पर दबाव बनाया। राउत ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा की जीत उतनी बड़ी नहीं है जितना बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिवसेना के दूसरे उम्मीदवार ने पहली प्राथमिकता वाले

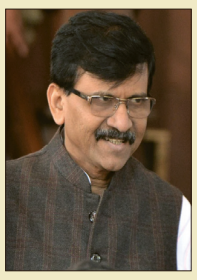

अधिक मत प्राप्त किये हैं। राउत ने स्वयं राज्यसभा की एक सीट पर जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि भाजपा के प्रत्याशी ने विजय हासिल की है। पहली प्राथमिकता वाले 33 मत पवार को मिले हैं।' उन्होंने कहा कि महाडिक को पहली प्राथमिकता वाले 27 मत प्राप्त हुए हैं। राउत ने कहा, 'वह दूसरी प्राथमिकता वाले मतों के आधार पर जीते हैं।' महाराष्ट्र से कड़े मुकाबले में भाजपा के पीयूष गोयल, अनिल बोंडे और महाडिक राज्यसभा चुनाव में विजयी हुए हैं। शिवसेना से राउत, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से प्रफुल्ल पटेल और कांग्रेस से इमरान प्रतापगढ़ी संसद के उच्च सदन में पहुंचे हैं। कुल 284 वैध मतों में से गोयल को 48, बोंडे को 48, महाडिक को 41. 56, राउत को 41, प्रतापगढ़ी को 44 और पटेल को 43 मत प्राप्त हुए। चुनाव के नियमों का उल्लंघन होने के आरोपों और मतों को अयोग्य ठहराने की मांग को लेकर भाजपा और शिवसेना दोनों ने निर्वाचन आयोग का रुख किया। आयोग ने महाराष्ट्र के राज्यसभा निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिया कि शिवसेना के विधायक सुहास कांदे के मत को खारिज कर दिया जाए। इसके बाद देर रात एक बजे के पश्चात मतगणना शुरू हुई। राउत ने कहा, ' 'दिल्ली में निर्वाचन आयोग पर दबाव डालकर हमारे एक मत (विधायक कांदे) को अयोग्य घोषित करा दिया गया। हमने उनके मतों को अवैध घोषित करने की याचिका डाली थी लेकिन आयोग ने उनका साथ दिया। महाराष्ट्र, हरियाणा और राजस्थान में जो कुछ भी हुआ उससे निर्वाचन आयोग के कामकाज पर सवाल उठते हैं।' राउत ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेताओं ने राज्यसभा चुनाव में पवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत योजना बनाई थी लेकिन कुछ विधायकों ने उनके लिए वोट नहीं किया। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ महा विकास आघाडी के शीर्ष नेताओं ने भी संजय पवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की थी।

कश्मीर में पर्यटन विभाग के तीन दिवसीय सूफी महोत्सव में उमड़ी लोगों की भीड़

श्रीनगर। कश्मीर में सूफियों और ऋषियों की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के लिए जम्मू-कश्मीर पर्यटन विभाग आगे आया है। विभाग की ओर से तीन दिवसीय सूफी महोत्सव का आयोजन श्रीनगर में किया गया है ताकि लोग पुरानी परम्पराओं, संस्कृति और शिक्षा से रूबरू हो सकें। इस सूफी महोत्सव का आयोजन श्रीनगर के एसकेआईसीसी में किया गया है। सूफी महोत्सव के आयोजन में पर्यटन विभाग के अलावा संस्कृति विभाग, वक्फ बोर्ड तथा अन्य कई विभागों का भी योगदान है। सूफी महोत्सव का उद्घाटन उपराज्यपाल के सलाहकार आरआर भटनागर ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सूफीवाद खुद से साक्षात्कार का एक तरीका है और हमारे सूफियों और ऋषियों ने जो मार्ग हमें दिखाया है उस पर सभी को चलना चाहिए। हम आपको बता दें कि तीन दिवसीय सूफी महोत्सव के दौरान चश्मा शाही, पहलगाम और एसकेआईसीसी में सूफियों और ऋषियों की शिक्षाओं पर प्रकाश डालने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रभासाक्षी संवाददाता ने इस महोत्सव का जायजा लिया और प्रतिभागियों से बातचीत की तो सभी ने कहा कि ऐसे आयोजन लगातार किये जाते रहने चाहिए ताकि हम अपने सांस्कृतिक पहलुओं को जान और समझ सकें।

ईडी ने किया सोनिया और राहुल गांधी को तलब, कांग्रेस आज विरोध में करेगी पूरे देश में प्रेस कॉन्फ्रेंस

नई दिल्ली । नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी और और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को तलब करने को लेकर कांग्रेस कांग्रेस रविवार को देशभर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। ईडी की तरफ से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया और राहुल गांधी को एक नया समन जारी कर नेशनल हेराल्ड अखबार से संबंधित धनशोधन मामले में 23 जून को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। सोनिया को पहले 8 जून को पेश होने के लिए कहा गया था, हालाँकि कोरोना से संक्रमित होने के कारण उन्होंने पेशी के लिए ईडी से नई तारीख मांगी थी। निदेशालय (ईडी) ने सोनिया गांधी को एक नया समन जारी कर नैशनल हेराल्ड समाचार पत्र से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 23 जून को पूछताछ लिए पेश होने को कहा है। अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। गांधी (75) को पहले 8 जून को पेश होने के लिए कहा गया था, लेकिन कोरोना से संक्रमित होने के कारण उन्होंने पेशी के लिए ईडी से नए तारीख की मांग की थी। अधिकारियों ने कहा है कि सोनिया गांधी को ईडी के समक्ष पेश होने के लिए 23 जून की तारीख दी गई है। जहां मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम के तहत उनका बयान दर्ज किया जाएगा।

लद्दाख सीमा पर चीन ने 25 फाइटर जेट्स की तैनाती की

नई दिल्ली (ईएमएस)। लद्दाख सीमा पर चीन की नई साजिश सामने आई है। चीन ने अत्याधुनिक फाइटर जेट्स की तैनाती लद्दाख सीमा के पास कर दी है। चीन की ओर से 25 फाइटर जेट्स की तैनाती की गई है। इसके साथ ही नए सैन्य बेस बनाने की कोशिश में चीन लगातार लगा हुआ है। तैनात फाइटर जेट्स में जे-11 और जे-20 भी शामिल है। चीनी वायु सेना भारतीय क्षेत्र के करीब नए हवाई क्षेत्र बना रही है, जो उन्हें कम ऊंचाई से मिशन को अंजाम देने की अनुमति दे सकता है। होतान वायु सेना बेस पर चीन ने 2 दर्जन से अधिक लड़ाकू विमान तैनात कर रखे हैं। साथ ही चीन के इन विमानों में अब अत्याधुनिक जे 11 और जे 20 भी शामिल हैं। बता दें कि पहले यहां पर चीन मिग-21 श्रेणी के ही विमान रखता था। लेकिन अब चीन ने ज्यादा आधुनिक विमानों की तैनाती भी शुरू कर दी है। चीन ने इस बेस पर फाइटर प्लेन की संख्या भी पहले से ज्यादा कर दी है। चीन की इस करतूत से कम ऊंचाई से भी हमलों को अंजाम देने में उसे मदद मिलेगी। भारतीय एजेंसियां चीन की हर हरकत पर पल-पल नजर रख रही है।

पीएम मोदी का वडोदरा में 18 जून का रोड शो रद्द, अन्य कार्यक्रम यथावत

अहमदाबाद । शुक्रवार को एक दिवसीय गुजरात दौरे लौटे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आगामी सप्ताह गुजरात दौरा प्रस्तावित है। अगले शनिवार यानी 18 जून को प्रधानमंत्री गुजरात आनेवाले हैं और उसी दिन वडोदरा में उनके रोड शो का आयोजन किया गया था। आगामी गुजरात दौरे में पीएम मोदी के अन्य कार्यक्रमों का आयोजन यथावत है, लेकिन वडोदरा में होनेवाला रोड शो रद्द कर दिया गया है। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। सीआर पाटील ने बताया कि देश के नागरिकों के साथ हमेशा खड़े रहने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वडोदरा के आम लोगों को किसी प्रकार की मुश्किल ना हो इसके लिए 18 जून को दोपहर 12 बजे होनेवाले रोड शो को रद्द करने का आदेश दिया है। आम लोगों के हित में पीएम मोदी के इस फैसले के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। हांलाकि पीएम मोदी के 18 जून के अन्य कार्यक्रम यथावत रहेंगे। जिसमें पीएम मोदी पावागढ़ मंदिर में ध्वजारोहण कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। पीएम मोदी पावागढ़ में रु. 121 की लागत से तैयार विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और निरीक्षण करेंगे। पंचमहल जिले के पावागढ़ में स्थित महाकाली माता के मंदिर में पीएम मोदी दर्शन करेंगे और ध्वजारोहण करेंगे। गुजरात सरकार की ओर से पावागढ़ तीर्थस्थल का रिनोवेशन किया गया है। पहाड़ पर बिराजमान महाकाली माता के एक साथ दो हजार जितने श्रद्धालु दर्शन कर सकें, ऐसा परिसर तैयार किया गया है। मंदिर के गुंबज को स्वर्ण से मढने के बाद गर्भगृह को भी स्वर्णमंडित किया गया है। पीएम मोदी के आगमन को देखते हुए प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

बोरवेल में गिरा 11 साल का मासूम, बच्चे को बचाने के लिए बचाव कार्य जारी

जांजगीर (छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में सूखे बोरवेल में गिरे 11 वर्षीय बच्चे को बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान पिछले लगभग 24 घंटे से जारी है। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बच्चे को बाहर निकालने के लिए बोरवेल से कुछ दूरी पर एक समांतर गड्ढा खोदा जा रहा है। बचाव कार्य में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और भारतीय सेना के विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले के मालखरौदा विकासखंड के पिहरिद गांव में शुक्रवार दोपहर बाद राहुल साहू घर के पिछले हिस्से में खेलते समय एक खुले, सूखे पड़े बोरवेल में गिर गया था। राहुल बोरवेल में 60 से 70 फुट नीचे फंसा हुआ है।

कर्नाटक में सरेआम नुपुर शर्मा के पुतले को फंदे से लटकाया,

द कश्मीर फाइल्स के डायरेक्टर ने कहा- ये ईरान, इराक और सीरिया नहीं...

गोरखपुर (उर प्रदेश)। (एजेंसी)।

इस्लाम सहिष्णुता सिखाता है- नुपुर शर्मा का सिर कलम करने वाला वीडियो वायरल, कश्मीरी यूट्यूबर ने कहा- गुस्ताख-ए-रसूल की एक सजा, बाद में मांगी माफी

बीजेपी की निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा की विवादित टिप्पणी को लेकर देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं। कई राज्यों में जमतर हंगामा मचा है। राजाधानी दिल्ली में जामा मस्जिद के बाहर जुमे की नमाज के बाद लोग सड़कों पर भी आ गए थे। वहीं उत्तर प्रदेश में तो कई शहरों में पत्थरबाजी और तोड़फोड़ का नजारा भी देखने को मिला है। लेकिन इन सब से इतर प्रदर्शन की आड़ में कट्टरता को बढ़ावा देने वाला मंजर कर्नाटक में नजर आया। कर्नाटक के बेलगाम में फोर्ट रोड स्थित मस्जिद के समीप कुछ लोगों ने नुपुर शर्मा के पुतले को सरेआम फंदे से लटका कर फांसी दी। इसके बाद उनके खिलाफ नारेबाजी भी की गई।

कर्नाटक की सरेआम हुई कट्टरता को बढ़ावा देने वाली इस घटना पर द कश्मीर फाइल्स फिल्म के डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री ने काफी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने नुपुर शर्मा के खिलाफ इस तरह के प्रदर्शन पर आपत्ति जताते हुए ट्वीट किया। विवेक अग्निहोत्री ने पुर के पुतले की फोटो पोस्ट करते हुए कहा, %माफ करना दोस्तों यह न तो ईरान है, न इराक है और न ही सीरिया है... यह आज का भारत है। यह आज का पुतला है, अगर फौरन सजा नहीं दी गई, तो जल्द ही इस पुतले की जगह असली लोग होंगे। खिलाफत आंदोलन आज भी जिंदा है। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा कि प्रिय शिक्षित मुस्लिम मित्रों, इस खिलाफत 2.0 के खिलाफ आवाज उठाने की आपकी बारी है। आपके लिए इस तरह के आतंकवाद और बर्बर व्यवहार के खिलाफ खड़े होने का समय आ गया है। आप शिकायत नहीं रख सकते और शांति, सद्भाव और एकता के बारे में कुछ नहीं कर सकते। धिक्कार है चुप रहने वालों पर।

पैगंबर मोहम्मद को लेकर टिप्पणी के बाद बीजेपी की निलंबित नेता नुपुर शर्मा को लगातार जान से मारने धमकिया मिल रही हैं। दिल्ली पुलिस की तरफ से नुपुर शर्मा को सुरक्षा भी दी गई है। इन सब के बीच कश्मीर के एक यूट्यूबर ने नुपुर शर्मा का सिर कलम करने वाला एक ग्राफिक वीडियो बनाया है। फैसल वानी के रूप में पहचाने जाने वाले आरोपी ने अपने यूट्यूब चैनल 'डीप पेन फिटनेस' नाम से एक वीडियो पोस्ट किया था। उक्त वीडियो में वानी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ÷कोई कार्रवाई नहीं... गुस्ताक-ए-रसूल की एक ही साजा... सर कलाम (ईशनिंदा की सजा सिर काटना रही है)।

जनसंख्या नियंत्रण पर कानून को लेकर राजग में मतभेद

पटना। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के भीतर जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून लाने की केंद्र की योजना को लेकर मतभेद अब सामने आने लगे हैं। गौरतलब है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि कानून बनाए जाने से जनसंख्या नियंत्रण के उद्देश्य की पूर्ति नहीं होगी बल्कि इसे सिर्फ महिलाओं और लड़कियों को शिक्षित करके हासिल किया जा सकता है। नीतीश केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार जनसंख्या नियंत्रित करने के लिए कानून बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। नीतीश की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा सांसद सुशील कुमार मोदी ने स्वीकार किया कि पिछले 15 वर्षों में लड़कियों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने के परिणामस्वरूप प्रदेश में प्रजनन दर 4 से गिरकर 2.98 प्रतिशत रह गई है। हालांकि सुशील ने यहां जारी एक बयान में कहा कि बिहार में नगर निकाय की तरह पंचायत चुनाव में भी दो या उससे कम बच्चों के माता-पिता को ही चुनाव लड़ने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने आगे सुझाव दिया कि ''भारत सरकार और बिहार सरकार अन्य अनेक योजनाओं में भी ऐसा प्रावधान कर सकती है उनका लाभ अधिकतम दो या तीन बच्चों वाले परिवार को ही मिल सके।''

जम्मू कश्मीर में आखिरी सांस ले रहा आतंकवाद,

उपराज्यपाल बोले- जब दीपक बुझने लगता है तो उसकी लौ तेज हो जाती है

जमू (एजेंसी)।

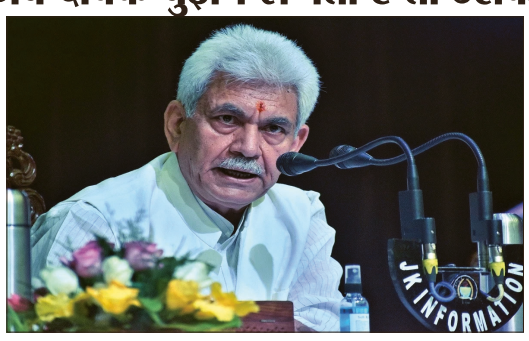

जम्मू कश्मीर में हाल में ही आतंकवाद की घटनाओं में वृद्धि देखने को मिली। जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को प्रायोजित करने वालों ने इस बार अपने तरीकों में बदलाव किया है। जम्मू कश्मीर में अब हाइब्रिड आतंकवादियों को बढ़ाया जा रहा है। इन हाइब्रिड आतंकवादियों के सामने लक्ष्य रखा जाता है। इस लक्ष्य को पूरा करने के बाद आतंकवादी फिर से सामान्य जनजीवन में वापस लौट जाते हैं। यह आतंकवादी लगातार आम लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। ताकि घाटी में डर का माहौल बनाया जा सके। इन सबके बीच जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बड़ा बयान दिया है। मनोज सिन्हा ने साफ तौर पर कहा है कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद अब आखरी सांस ले रहा है। आपको बता दें कि कश्मीरी पंडित राहुल भट्ट की हत्या के बाद आतंकवादियों ने कई आम लोगों को अपना निशाना बनाया। जिसके बाद प्रशासन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है।

जम्मू कश्मीर में टारगेट किलिंग की घटनाओं को लेकर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा लगातार कहते रहे हैं कि दोषियों के खिलाफ सख्त और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जो लोग इस तरह की हरकत कर रहे हैं, उसका माकूल जवाब उन्हें दिया जाएगा। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में टारगेट किलिंग के शिकार हुए लोगों के परिवारों से भी उपराज्यपाल ने मुलाकात की है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक आज उपराज्यपाल ने कहा कि जब दीपक बुझने लगता है तो उसकी लौ तेज हो जाती है। वहीं स्थिति आज आतंकवाद की है। ये लौ इसलिए तेज है क्योंकि हमारे सुरक्षाबलों ने इनकी नकेल कसने का काम किया है। आतंकवाद अब जम्मू-कश्मीर में आखिरी सांस ले रहा है। सिन्हा ने कुलगाम जिले में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि निर्दोष लोगों की लक्षित हत्याएं हुई हैं। मेरा मानना है कि समाज को इसकी निंदा करनी चाहिए। बच्चों को शिक्षा देने वाली एक महिला शिक्षिका की हत्या कर दी गयी। अगर समाज इसकी निंदा नहीं करता है, तो मुझे लगता है कि हम अपने कर्तव्यों से दूर हो रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने कहा कि घाटी में लोगों की निशाना साधकर हत्याएं आतंकवादियों द्वारा हताशा में सुरक्षा बलों को कोई गलती करने के लिए उकसाने के मकसद से की जा रहीं हैं ताकि लोग विरोध में सड़कों पर उतर सकें। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हताश होकर आतंकी इन कृत्यों को अंजाम दे रहे हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशासन 'गुनहगार को छोड़ो मत, और बेगुनाह को छेड़ो मत' की नीति पर चलता है। सिन्हा ने कहा कि प्रशासन ऐसा नहीं होने देगा। पुलिस, सुरक्षाबलों या जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा किसी निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। उपराज्यपाल ने कहा आतंकवाद की 'लौ' तेज है, क्योंकि पुलिस और सुरक्षाबलों ने उनके चारों ओर फंदा कस लिया है। सिन्हा ने कहा, 'हमारा प्रयास यहां के लोगों को आतंकवाद से मुक्त करना है।'

फर्जी डिग्री पर सरकारी नौकरी करने वालों को लेकर बड़े एक्शन की तैयारी में भगवंत मान, कहा- जल्द करूंगा पर्दाफाश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब की भगवंत मान सरकार राज्य में बढ़ रहे भ्रष्टाचार, ड्रग्स के साथ ही विभिन्न मामलों पर लगाम लगाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। वहीं अब फर्जी डिग्री लेकर सरकारी नौकरी पाने वालों को लेकर भी पंजाब की मान सरकार बड़े एक्शन की तैयारी में है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि पंजाब की जनता का एक-एक टैक्स जनता के खाते में जाएगा। भगवंत मान ने ट्वीट में कहा, ÷मेरे सामने ऐसे कई मामले आए हैं जहां बहुत प्रभावशाली और राजनीतिक लोगों के रिश्तेदारों ने फर्जी डिग्री के साथ सरकारी नौकरी ली है।

मान ने ट्विटर पर लिखा कि कई मामले मेरे संज्ञान में आए हैं कि बहुत प्रभावशाली और राजनीतिक लोगों के रिश्तेदारों ने फर्जी डिग्री के साथ सरकारी नौकरी ली है। जल्दी ही पंजाब के लोगों के टैक्स के एक-एक पैसे का हिसाब लोगों के सामने लाएंगे। स्पष्ट है कि जल्द इस मामले में सरकार पर्दाफाश कर सकती है। बता दें कि मान सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान शुरू किया है। पंजाब में विधानसभा में हुई भर्ती की भी मान सरकार जांच करवा रही है। पंजाब के खनन मंत्री हरजोत बैंस ने चुनाव से पहले इसमें घपला बताया था। बैंस ने कहा था कि कांग्रेस सरकार ने अपने और अपने कर्मचारियों के रिश्तेदारों को इसमें भर्ती किया है। जिसके बाद विधानसभा स्पीकर कुलतार संधवां ने इसकी जांच के आदेश दे दिए।

उत्तराखंड- 2 साल बाद होगी कांवड़ यात्रा, पुष्कर धामी बोले- हम लोग मिलकर इसे बनाएंगे भव्य

देहरादून (एजेंसी)।

भगवान भोले के भक्तों के लिए एक शानदार खबर है। जानकारी के मुताबिक इस बार 2 साल के बाद कावड़ यात्रा की जाएगी। इसके लिए प्रशासन ने इजाजत दे दी है। इस बात की जानकारी उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दी। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस बार कावड़ यात्रा चलेगी। कांवड़ यात्रा भी 2 साल के बाद हो रही है। यह हम सब के लिए अवसर भी है और चुनौती भी है। इसके साथ ही पुष्कर धामी ने कहा कि हम लोग मिलकर कावड़ यात्रा को भव्य बनाएंगे। आपको बता दें कि 2 साल तक कांवड़ यात्रा का आयोजन नहीं हुआ था। 2020 और 2021 में कोरोना महामारी अपने चरम पर थी। यही कारण था कि कांवड़ यात्रा का आयोजन नहीं किया गया था। लेकिन इस बार कांवड़ यात्रा के आयोजन को लेकर हरी झंडी दे दी गई है जिसके बाद तैयारियां शुरू की जा चुकी है। खबर के मुताबिक उत्तराखंड सरकार कावड़ यात्रा के दौरान कांवरियों पर फूलों की बारिश भी करेगी। हालांकि इसको लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं हुआ है। लेकिन मंत्रियों से चर्चा के बाद मुख्यमंत्री धामी ने इसको लेकर निर्देश दे दिए हैं। इस बात की जानकारी मीडिया कर्मियों को धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने दी। सतपाल महाराज ने बताया कि सावन में हरिद्वार में कावड़ लेने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को हेलीकॉप्टर से फूल बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। हरिद्वार में प्रशासन कावड़ यात्रा की तैयारी में जुट गया है। इस बार कावड़ यात्रा बिना किसी बंदिशों के होगी।

शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने में भाजपा और कांग्रेस ने नहीं छोड़ी कोई कसर: हमीरपुर में गरजे केजरीवाल

हमीरपुर। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को हमीरपुर में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने 30 साल राज किया और भाजपा ने 20 साल राज किया। इन्होंने क्या किया? इन्होंने शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि इनको 5 साल और दोगे तो आपके बच्चों के 5 साल और खराब हो जाएंगे। यहां लोगों के लिए शिक्षा कोई मुद्दा ही नहीं है। हिमाचल प्रदेश में इस साल के आखिरी में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में तमाम राजनीतिक दलों (भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी) ने अपनी-अपनी रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है।

सत्ता के लिए नहीं आए हम

इसी बीच मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि हम सत्ता के लिए नहीं आए हैं। येन केन प्रकारेण सत्ता ले लो, जाति, धर्म के नाम पर, पैसे बांटकर, दारू पिलाकर...हम ऐसा काम नहीं करते हैं। हमारे दिल के भीतर देश धकड़ता है। हम देश के लिए काम करते हैं। हमने 5 सालों में स्कूल ठीक कर दिए। क्या भाजपा और कांग्रेस ऐसा नहीं कर सकती थी ? अब यह लोग फिर से एक मौका मागेंगे। हम सिर्फ एक ही मौका मागेंगे, दोबारा मत देना।

भारत ने कोविड संकट से उबरने में अनुकरणीय लचीलापन दिखाया : नागेश्वरन

गुरुग्राम। (एजेंसी)।

सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन ने शनिवार को कहा कि देश ने कोविड-19 महामारी की वजह से पैदा हुए संकट से उबरने में अनुकरणीय लचीलापन दिखाया है और अब सभी मापदंडों ने कोविड-पूर्व स्तर को पार कर लिया है। नागेश्वरन ने यहां हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (एचआईपीए) में 'भारतीय अर्थव्यवस्था: संभावनाएं, चुनौतियां और कार्य बिंदु' पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोविड संकट से निपटने के भारतीय प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''भारत ने कोविड-19 महामारी के कारण पैदा हुए संकट से उबरने में एक अनुकरणीय लचीलापन दिखाया है।''

नूपुर शर्मा को मिला संतों का साथ, काशी धर्म परिषद की बैठक में फैसला- देश को बचाने के लिए आना होगा आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित टिप्पणी को लेकर भाजपा के निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा के खिलाफ देशभर में लगातार विरोध का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। कल जुमे की नमाज के बाद देश के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में हिंसा और पथराव की खबर भी रही। साथ ही साथ कई जगहों पर आगजनी की भी घटना हुई। इन सबके बीच आज काशी में धर्म परिषद की बैठक हुई। धर्म परिषद में जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा की निंदा की गई। साथ ही साथ इस पर नाराजगी भी जताई गई। संतो ने केंद्र तथा प्रदेश सरकार से अराजकता फैलाने वालों और उसके पीछे के साजिशकर्ताओं को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की है।

संतो की ओर से साफ तौर पर कहा गया है कि नूपुर शर्मा को धमकी देने वालों को गिरफ्तार कर सजा दी जाए। इतना ही नहीं, संतों ने तो यह भी कह दिया कि जिस तरह के से शुक्रवार के दिन हिंसा की गई है, उसके बाद संत समाज चुप नहीं बैठेगा और सड़कों पर उतरेगा। धर्म परिषद की बैठक सुदामा कुटी हरतीरथ के पतालपुरी मठ के पीठाधीश्वर महंत बालक दास की अध्यक्षता में हुई। इसमें कई मठों के पीठाधीश्वर, संत, महंत तथा समाजसेवी मौजूद रहे। इस बैठक में यह फैसला लिया गया कि देश को बचाने के लिए संतों को सड़कों पर उतरना होगा और देशद्रोहियों को बेनकाब करना होगा। बैठक में कहा गया है कि कट्टरपंथी देश को अशांति की तरफ ले जा रहे हैं और इसे रोकने के लिए धर्म के रक्षकों को आगे आना होगा। संत समाज ने साफ तौर पर कहा है कि जिस तरीके से जिहादी नमाज पढ़ने के बाद सड़कों पर उतर कर देश को जलाने की कोशिश कर रहे हैं, संत समाज यह कभी बर्दाश्त नहीं करेगा।

इसके साथ ही नूपुर शर्मा का गला काटने और रेप की धमकी देने वालों की भी कठोर निंदा की गई है। संत समाज ने यह भी कहा है कि हमारे मंदिर तोड़े जा रहे हैं, हमारे भगवान को अपमान किया जा रहा है, हम कानून के रास्ते पर चलकर ही जिहादियों के खिलाफ कार्यवाही चाहते हैं इसके साथ ही देश को जलने से बचाने के लिए संतों के सड़क पर उतरने का भी फैसला लिया गया है जानकारी के मुताबिक इसमें कहा गया है कि सभी पंचों, अखाड़ों और नागाओं से वार्ता कर इस पर फैसला लिया जाएगा। धर्म परिषद में यह भी कहा गया है कि हम भगवान राम के रास्ते पर चलने वाले हैं। हम शांति चाहते हैं और जो हिंसा हो रही है वह अस्वीकार्य है। अब बहुत हो चुका, सरकार तत्काल कदम उठाए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गृहक्लेश में पत्नी की तीक्ष्ण हथियार से गोदकर हत्या के बाद पति ने की आत्महत्या

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

जूनागढ़, जिले के तोरणिया गांव में एक शख्स ने गृहक्लेश को लेकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी और उसका शव खेत में बनी पानी की टंकी में फैंक दिया तथा अपने घर में ताला लगाकर फरार हो गया । पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करने की दिशा में प्रयासरत थी कि इस बीच उसका शव बरामद हुआ। पोस्टमार्टम में जहरीली दवाई पीकर उसकी मौत का खुला हुआ है। जानकारी के मुताबिक जूनागढ़ जिले की वंथली तहसील के तोरणिया गांव में रामदे नामक शख्स ने दो दिन पत्नी से झगड़े के बाद उसकी तीक्ष्ण हथियार से गोदकर हत्या कर दी। पत्नी की हत्या के बाद उसका शव खेत में बनी पानी की टंकी में फैंक दिया और अपने घर में ताला लगाकर फरार हो गया। स्थानीय पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपी रामदे की तलाश शुरूकर दी।

इस बीच तोरणिया के निकट खडिया गांव के करशनभाई जोगल के खेत में अज्ञात व्यक्ति शव बरामद हुआ। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मृतक की संतानों को शिनाख्त के लिए बुलाया। संतानों ने मृतक की अपने पिता के रूप में पहचान की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद उसकी संतानों को सौंप दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में रामदे ने जहरीली दवाई पीकर आत्महत्या की होने का खुलासा हुआ।

जांच में पता चला कि रामदे की 13 साल पहले शादी हुई थी और वैवाहिक जीवन में दो जुड़वा बेटों का जन्म हुआ था। शादी की कुछ महीनों के बाद पति-पत्नी के बीच आए दिन लड़ाई झगड़ा होता रहता था।

हांलाकि परिवार समझा-बुझाकर दोनों को शांत करवा देता। घटना के दिन भी रामदे का पत्नी के साथ झगड़ा हुआ था और आवेश में आकर उसने पत्नी की हत्या कर दी। बाद में पत्नी का शव पानी की टंकी में फैंक दिया और घर पर ताला लगाकर फरार हो गया।

सूरत के स्मीमर गार्डन में मिली शराब की बोतलो

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर में आम आदमी पार्टी के विपक्ष में शामिल होने के साथ ही यह सत्ताधारी पार्टी के लिए सिरदर्द बन गया है। आपके पार्षदों का हीरपारा भी निगम की अस्पताल कमेटी में है। रचना हिरपारा ने मांग की कि स्मीमेर अस्पताल के बगीचे को विकसित किया जाए। जिसके तहत उन्होंने आज अधिकारियों को स्मीमेर अस्पताल के गार्डन में बुलाया। जब वे बगीचे में पहुंचे, तो रचना हिरपारा ने देखा कि पूरे बगीचे में शराब की कई बोतलें पड़ी हैं। अस्पताल परिसर में शराब की बोतलें देखते ही हड़कंप मच गया। हालांकि उनके साथ एक भी अधिकारी बाग देखने नहीं पहुंचा।

अलग-अलग जगहों पर बोतलें मिलीं और जब वे गार्डन विकास के लिए पहुंचीं तो आम आदमी पार्टी की महिला पार्षद भी शराब की बोतलें देखकर हैरान रह गईं. महिला पार्षद ने जब बगीचे में अलग-अलग जगहों पर शराब की बोतलें पड़ी देखीं तो एक बात साफ हो गई कि गार्डन केम्पस के अंदर काफी मात्रा में शराब का सेवन किया जा रहा था. स्वाभाविक रूप से जहां मरीज इलाज के लिए आते हैं वहां शराब पीना काफी चिंता का विषय है।

आम आदमी पार्टी के वार्ड नंबर 17 की पार्षद रचना हिरपारा ने कहा, ''अस्पताल को स्वास्थ्य का मंदिर कहा जाता है.'' इस मंदिर में इस तरह का काम बिल्कुल नहीं किया जा रहा है। गुजरात में शराब पर प्रतिबंध होने के बाद भी अगर इस प्रकार की घटनाक्रम सामने आते हैं तो बड़े ही शर्म की बात हैं किस प्रकार की कानून व्यवस्था होगी यह अंदाज़ आम जनता को ही बता होगा.

लेकिन सुरक्षा काम नहीं करती है। इस तरह की असामाजिक गतिविधियों को रोकना उनकी जिम्मेदारी है। इनके साथ लाखों रूपए लोगों के पैसे का अनुबंध है। यहां जिस तरह से शराब गिरी है। अस्पताल के अंदर गंदगी का अंबार है। एक प्रकार का शौचालय है जिसका उपयोग लोग नहीं कर सकते हैं।

लेकिन अगर ऐसा कुछ सामने आता। इसलिए मैं इस मामले की रिपोर्ट एक विशिष्ट सुरक्षा एजेंसी को दूंगा।

यदि कोई कार्रवाई नहीं होती है तो मैं निश्चित रूप से उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करूंगा। कहां मिली है शराब की बोतलें? मुझे अभी तक सुरक्षा या आम आदमी पार्टी के पार्षद द्वारा मामले की सूचना नहीं दी गई है।

नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी की परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नॉन-टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (NTPC) के द्वितीय चरण की परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा कुछ ट्रेनों में अतिरिक्तस्लीपर क्लास के डिब्बे जोड़े जाएंगे। मण्डल रेल प्रवक्ता अहमदाबाद, के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है-

पश्चिम रेलवे निम्नपलिखित ट्रेनों में अतिरिक्त स्लीपर क्लास के डिब्बे जोड़ेगी।

1. 14 जून, 2022 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 22957 अहमदाबाद- वेरावल में दो स्लीलपर कोच
2. 17 जून, 2022 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 22957 अहमदाबाद- वेरावल में चार स्लीपिर कोच
3. 14 जून, 2022 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 22958 वेरावल-अहमदाबाद में दो स्लीचपर कोच
4. 15 जून, 2022 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 22958 वेरावल-अहमदाबाद में चार स्लीलपर कोच
5. 13 जून, 2022 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 22923 बांद्रा टर्मिनस-जामनगर में दो स्ली पर कोच
6. 14 जून, 2022 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 22924 जामनगर-बांद्रा टर्मिनस में दो स्लीपर कोच
7. 13 जून, 2022 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 20955 सूरत-महुवा में दो स्लीनपर कोच
8. 14 जून, 2022 को छूटने वाली ट्रेन संख्या 20956 महुवा-सूरत में दो स्ली पर कोच
9. 14 जून, 2022 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 19015 मुंबई सेंट्रल-पोरबंदर में दो स्ली पर कोच
10. 17 जून, 2022 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 19015 मुंबई सेंट्रल-पोरबंदर में चार स्ली्पर कोच
11. 14 जून, 2022 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 19016 पोरबंदर-मुंबई सेंट्रल में चार स्लीरपर कोच
12. 15 जून, 2022 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 19016 पोरबंदर-मुंबई सेंट्रल में चार स्ली पर कोच
13. 17 जून, 2022 को छूटने वाली ट्रेन नंबर 19016 पोरबंदर-मुंबई सेंट्रल में दो स्लीपर कोच

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

यह विभाग के द्वारा किया गया डिमोलिशन हैं या सेटिंग.com

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

SUDA की महेरबानी या लापरवाही से इस कार्यपर नजरअंदाज करते हुए अधिकारीगण अपने पद का दुरूपयोग कर सरकारी तंत्र का दुरूपयोग कर विभाग के कोष को हानि पहुचने संबंधित कार्यवाही भारतीय दंड सहित के अनुसार विभाग के उच्च अधिकारीगण को करना चाहिए. जिससे भष्टाचार की इस दलदल में कार्यालय में कुछ लगाम लगा सके.

पीएम मोदी नवसारी में अपने पूर्व शिक्षक से मिले, मुलाकात के दौरान दोनों हुए भावुक

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज

उस समय भावुक हो गए जब अपने पूर्व शिक्षक से मिले। पीएम मोदी ने आज दक्षिण गुजरात के नवसारी जिले में 3000 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। अपनी गुजरात यात्रा के दौरान नवसारी में पीएम मोदी की वडनगर के अपने पूर्व शिक्षक के साथ मुलाकात हुई। पीएम मोदी ने अपने शिक्षक को प्रणाम किया। अपने शिष्य को प्रधानमंत्री के रूप में देख शिक्षक भावुक हो गए। पीएम मोदी भी कुछ क्षण के लिए भावुक हुए। गुरु-शिष्य ने शिक्षाकाल की यादें ताजा कीं। पीएम मोदी ने जब शिक्षक को प्रणाम किया तो उन्होंने प्यार से उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिए।